

राष्ट्रीय दैनिक

स्वदेश प्रेम



बॉलीवुड में उम्र संबंधी भेदभाव... 06

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01

अंक-22

नई दिल्ली शुकवार, 10 जुलाई 2026

R.N.I NO : DELHIN/2022/86452

पृष्ठ- 8

मूल्य-01 रुपये

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नई गति रक्षा, ऊर्जा, शिक्षा और प्रौद्योगिकी सहित 18 प्रमुख समझौते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत गुरुवार को रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा विशेषकर नाभिकीय ऊर्जा, साइबर सुरक्षा, शिक्षा, कौशल विकास, खनन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा सांस्कृतिक विरासत सहित विभिन्न क्षेत्रों में 18 महत्वपूर्ण समझौतों और पहलों को अपनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मेलबर्न में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ सांध्य वार्ता की। वार्ता के नतीजों के तहत अब ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरैनियम की सप्लाई होगी। ऑस्ट्रेलिया तीन प्राचीन कलाकृतियां भारत की लौटाएगा। रक्षा क्षेत्र में सहयोग में दोनों देशों ने कई नए विषयों को शामिल किया है।

दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में हुई मजबूत प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में बताया, हमने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते यानी सीईसीए पर तेजी से काम करने का निर्णय लिया है।

प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में दोनों देशों की वैश्विक मुद्दों पर राय भी सामने रखी। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया मानते हैं कि



आतंकवाद केवल किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती है। इसलिए आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई साझा और संकल्प अटूट है।

उन्होंने कहा कि हमारा यह भी मानना है कि विश्व के अनेक भागों में चल रहे तनावों और युद्धों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। पूरे हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देश मिलकर शांति, स्थिरता, नौवहन की स्वतंत्रता और नियम आधारित व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार साझेदारी के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

भारतीय कलाकृतियों एवं धरोहरों की वापसी के क्रम में कुछ और नाम जुड़े। ऑस्ट्रेलिया तमिलनाडु की तीन प्राचीन कलाकृतियों को वापस करेगा। इसमें शिव के वाहन पवित्र बैल नंदी (11वीं से 12वीं शताब्दी की ग्रेनाइट), शुभ काली (भद्रकाली) के साथ त्रिशूल (11वीं शताब्दी, कांसि) एवं छह सिर वाले स्कंद (कार्तिकेय) (12वीं शताब्दी, बेसाल्ट) कलाकृति शामिल है।

दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण समझौतों में संयुक्त रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग घोषणा का नवीनीकरण शामिल है। इसके तहत सैन्य अंतर-संचालन क्षमता, समुद्री क्षेत्र जागरूकता, रक्षा उद्योग, साइबर

सुरक्षा, आतंकवाद रोधी सहयोग, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही समुद्री सुरक्षा सहयोग रोडमैप, ऊर्जा सुरक्षा पर संयुक्त वक्तव्य, भारत-ऑस्ट्रेलिया असेन्य परमाणु समझौते के प्रशासनिक प्रबंध को अंतिम रूप तथा साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी (पीएससीएस) पर भी सहमति बनी। दोनों देशों ने भारतीय तटरक्षक बल और ऑस्ट्रेलियाई मैरीटाइम बॉर्डर कमांड के बीच सहयोग बढ़ाने, वर्ष 2028-29 में ऑस्ट्रेलियन डिफेंस कॉलेज में भारतीय सैन्य प्रशिक्षक की नियुक्ति से जुड़े समझौते भी किए हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार, परमाणु ऊर्जा और रक्षा सहयोग को नई गति देने का संकल्प लिया: पीएम मोदी

मेलबर्न (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के बीच गुरुवार को यहां आयोजित तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद हुई संयुक्त प्रेस वार्ता में दोनों देशों ने व्यापार, निवेश, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, समुद्री सुरक्षा और शिक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने का संकल्प व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है और अब यह सहयोग नए आयाम हासिल कर रहा है।

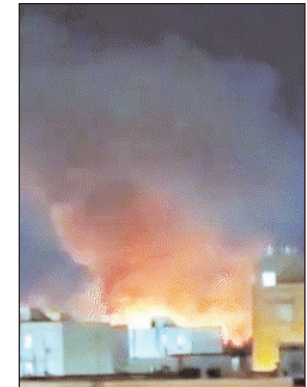
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पीएम एंथनी अल्बानीज के व्यक्तिगत प्रयासों और उनकी प्रतिबद्धता ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नई ऊचाइयों और व्यापकता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दो जीवंत लोकतंत्र, बहुसांस्कृतिक समाज और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की महत्वपूर्ण समुद्री शक्तियां हैं। दोनों देशों की समान सोच और साझा वैश्विक दृष्टिकोण



आपसी विश्वास को लगातार मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में हुए आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि हुई है। अब दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को शीघ्र अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है, जो संतुलित, महत्वाकांक्षी और दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में आज महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिससे ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरैनियम की आपूर्ति का मार्ग खुलेगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को नई मजबूती मिलेगी और ऊर्जा सुरक्षा भी सुदृढ़ होगी।

कतर, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन अटैक

- ईरान का दावा- मिसाइल सिस्टम और रडार को उड़ाया
- यूएस का 90 ईरानी ठिकानों पर हमला



ईरान से सीजफायर खत्म: डोनाल्ड ट्रम्प

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने NATO समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते।

85 ठिकानों को निशाना बनाया: ईरान

ईरान की रिबेल्युशनरी गार्ड्स ने दावा किया कि उसने बहरीन और कुवैत में 85 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। इसमें अमेरिकी फ़िथ फ़्लीट मुख्यालय और अली अल-सलेम एयर बेस भी शामिल बताए गए।

एयरस्ट्राइक की। अमेरिका ने बताया कि यह ईरान के होर्मुज में जहाजों पर हमले के जवाब में किया गया है।

संध्या संवाद से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिला 89.41 लाख रुपये का जीपीएफ

लाख रुपये का जीपीएफ

श्रावस्ती में लंबित मामलों का निस्तारण, योगी सरकार ने त्वरित समाधान का दिया संदेश



लखनऊ, एजेंसी। योगी सरकार की पहल पर देवीपाटन मंडल के श्रावस्ती जिले में आयोजित 'संध्या संवाद' कार्यक्रम के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित जीपीएफ और अन्य सेवा संबंधी देयों का निस्तारण किया गया। सिला प्रशासन ने कुल 89 लाख 41 हजार 612 रुपये की जीपीएफ राशि पात्र कर्मचारियों के खातों में जारी कर दी।

मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने विभागों के समन्वय से लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण कराया। इस दौरान प्रकाश नारायण पाठक, राजेंद्र प्रसाद पांडेय, सुनील श्रीवास्तव समेत कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनका बकाया भुगतान मिला। सरकार का कहना है कि 'संध्या संवाद' कार्यक्रम के माध्यम से प्रशासन लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर रहा है।

स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के सामने लहराया तिरंगा

समुद्री विरासत और भारत-अमेरिका साझेदारी का दिया संदेश, न्यूयॉर्क से बोस्टन के लिए रवाना हुई आईएनएस सुदर्शिनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी अमेरिका के न्यूयॉर्क बंदरगाह पर सफल प्रवास पूरा करने के बाद बोस्टन के लिए रवाना हो गया। दस माह लंबे अंतरमहासागरीय अभियान 'लोकानयन-2026' के तहत आईएनएस सुदर्शिनी ने अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित इंटरनेशनल नेवल रिव्यू-250 और सेल फोर्थ-250 समारोहों में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

न्यूयॉर्क प्रवास का सबसे यादगार क्षण तब रहा, जब आईएनएस सुदर्शिनी ने भव्य 'पेरड ऑफ सेल' में हिस्सा लेते हुए स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के सामने से हडसन नदी में नौकायन किया। तिरंगे से सुसज्जित पोत अंतरराष्ट्रीय युद्धपोतों और पारंपरिक नौकायन जहाजों के साथ आगे बढ़ा। इस दौरान हजारों दर्शकों ने भारतीय नौसेना की मौजूदगी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

बुकलिन में प्रवास के दौरान आईएनएस सुदर्शिनी पर एक हजार से अधिक लोगों ने भ्रमण किया। इनमें भारतीय मूल के नागरिक, अमेरिकी निवासी, समुद्री इतिहास के शोधकर्ता और नौकायन प्रेमी शामिल रहे। आगंतुकों को भारतीय



अब बोस्टन में होगा अगला पड़ाव

सभी निर्धारित कार्यक्रमों के सफल समापन के बाद आईएनएस सुदर्शिनी न्यूयॉर्क से बोस्टन के लिए रवाना हो गई है, जहां वह 'सेल बोस्टन-2026' समारोह में भाग लेगी। भारतीय नौसेना के अनुसार 'लोकानयन-2026' अभियान के माध्यम से आईएनएस सुदर्शिनी दुनिया के विभिन्न देशों में भारत की समुद्री विरासत, मित्रता, सद्भावना और वैश्विक साझेदारी का संदेश पहुंचा रही है।

राजकीय रात्रिभोज में मजबूत हुई रणनीतिक साझेदारी

न्यूयॉर्क प्रवास के दौरान जहाज पर विशेष राजकीय रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों और अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। इस अवसर पर भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और समुद्री सहयोग को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

नौसेना की प्रशिक्षण परंपराओं, समुद्री इतिहास और भारत की प्राचीन समुद्री विरासत की जानकारी दी गई।

न्यूयॉर्क स्थित भारत के

महावाणिज्यदूत बिनय श्रीकांत प्रधान तथा संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथनेनी हरीश ने भी जहाज का दौरा किया। दोनों अधिकारियों ने चालक दल से

मुलाकात कर वैश्विक स्तर पर भारत की समुद्री विरासत और भारत-अमेरिका समुद्री सहयोग को मजबूत बनाने में आईएनएस सुदर्शिनी की भूमिका की सराहना की।

राममंदिर चढ़ावा चोरी-आरोपियों के घर से नोटों के मिले बंडल रिश्तेदारों के 30 बैंक अकाउंट फ्रीज

- चंदे की रकम ब्याज पर बांटी, शेयर मार्केट में लगाई

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी अनुकूल मिश्रा को पुलिस गुरुवार सुबह 9 बजे उसके घर लेकर गई। वहां करीब 20 मिनट तक तलाशी ली। घरवालों से भी पूछताछ की। इससे पहले, बुधवार को पुलिस लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को भी उनके घरों पर लेकर गई थी। इनके भी घरों की तलाशी ली थी। पुलिस ने आरोपियों के रिश्तेदारों के 30 बैंक खाते फ्रीज किए हैं। इन खातों में आय की तुलना में अधिक लेन-देन मिलने की बात सामने आई है। वहीं, तीनों के घरों की तलाशी के दौरान पुलिस ने नोटों के बंडल और सोने के जेवर (कान की



बालियां, लॉकट) बरामद किए। साथ ही एक कार भी मिली। हालांकि, पुलिस ने अभी इसका खुलासा नहीं किया कि कितना केश और सामान किसके घर से बरामद हुआ है?

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अनुकूल ने पूछताछ में बताया- मैं और अविनाश शुक्ला चोरी के पैसे को शेयर मार्केट में लगाते थे। लोगों को ब्याज पर देते थे। पैसें को करीबियों और रिश्तेदारों को पैसे देते

थे। फिर उनसे अपने खातों में पैसे ट्रांसफर करवाते थे। इधर, सपा प्रमुख अखिलेश ने लखनऊ में कहा- हमारे धर्म में चढ़ावे की चोरी महापाप है। इन्होंने महापाप किया है। भाषण में भगदड़ शुरू भी हो गई है। बहुत सारे लोग मुझसे अभी से संपर्क करने लगे हैं। एसआईटी सिर्फ लीपापोती कर रही है। सुनने में तो आया है कि एसआईटी पर भी सवाल खड़े हो गए हैं, एक सदस्य पर 420 का मुकदमा है।

पूरे देश में छाया मानसून, 50 शहरों में बारिश में मूसलाधार

दिल्ली-एनसीआर में जलभराव व जाम

उत्तराखंड में भूस्खलन, राजस्थान में मकान ढहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने गुरुवार को पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया। सामान्य तौर पर मानसून 8 जुलाई तक पूरे भारत को कवर कर लेता है, लेकिन इस बार यह एक दिन की देरी से देशभर में सक्रिय हुआ। मानसून के प्रभाव से अधिकांश राज्यों में लगातार बारिश हो रही है, जिससे कई स्थानों पर जनजीवन प्रभावित हुआ है।

उत्तर प्रदेश में गुरुवार सुबह से नोएडा, मथुरा, मेरठ, बुलंदशहर समेत करीब 50 शहरों में तेज बारिश हुई। नोएडा में कई सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी भर गया, जबकि गाजियाबाद में सड़क धंसने से एक कार और बाइक गड्ढे में समा गई।

दिल्ली-एनसीआर में बुधवार रात से शुरू हुई बारिश गुरुवार सुबह



तक जारी रही। भारी वर्षा के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया और पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित रहा। दिल्ली-नोएडा एक्सप्रेसवे सहित कई प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लग गया।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटों में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के तुखमीरपुर में सर्वाधिक 160 मिमी तथा सफदरजंग में 72.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में लगातार बारिश के चलते नालूपानी और यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन हुआ, जिससे मार्ग बाधित हो गया। टिहरी जिले में भी भूस्खलन

की चपेट में आने से एक मकान ढह गया, जबकि आसपास के दो-तीन मकानों पर भी खतरा बना हुआ है। राजस्थान के अजमेर जिले के किशनगढ़ में बुधवार रात भारी बारिश के कारण एक मकान ढह गया। मलबे में फंसे पति-पत्नी समेत अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में तेज बारिश के बाद पातालगंगा नदी में करीब तीन हजार एलपीजी सिलेंडर बह गए।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के 43 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड में अच्छी बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 10 से 13 जुलाई के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी बारिश का दायरा और बढ़ सकता है।

विद्यालयी वाहनों में सुरक्षा नियमों का सख्ताई से पालन करें अधिकारी : अपर जिलाधिकारी नगर

संवाददाता
गाजियाबाद जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी नगर गाजियाबाद की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन तथा शासन द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी नगर ने बैठक में कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि विद्यालयी वाहनों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले वाहन संचालकों एवं संस्थाओं के



विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में विद्यालयी वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार किट, जीपीएस, सीसीटीवी कैमरे, स्पीड गवर्नर तथा

वाहन चालकों एवं परिचालकों के पुलिस सत्यापन की स्थिति की समीक्षा की गई। समिति ने निर्देश दिए कि सभी विद्यालय निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करें। विनीत कुमार मिश्र, सहायक

सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गाजियाबाद ने अवगत कराया कि जनपद में संचालित विद्यालयी वाहनों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है तथा नियमों के उल्लंघन के मामलों में प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है। पुलिस,

निर्देश दिए। बैठक में समिति ने सभी विद्यालय संचालकों से अपील कि वह विद्यालयी वाहनों के संचालन में निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन करें तथा विद्यार्थियों के सुरक्षित एवं सुगम परिवहन को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उक्त बैठक में विनीत कुमार मिश्र एआरटीओ प्रवर्तन, अंकिता शुक्ला एआरटीओ प्रवर्तन, राजेश्वर कुशवाहा, आशुतोष उपाध्याय, जीत बहादुर सादव बेसिक शिक्षा अधिकारी, सतीश कुमार पाण्डेय सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक, राजकुमार भारद्वाज ट्रैफिक इन्स्पेक्टर, राजेन्द्र सिंह सहायक अभियन्ता नगर निगम आदि सहित विभिन्न विद्यालयों के संचालक उपस्थित रहे।

Loan112 एप के नाम पर साइबर ठगी का भंडाफोड़, फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार



संवाददाता-ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े गिरोह का पदांश करते हुए कॉल सेंटर के माध्यम से फर्जी लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले दो शांतिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त तीन मोबाइल फोन और एक डायरी (नोटबुक) बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई 2026 को लोकल ईटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अजानारा ली गार्डन सोसाइटी स्थित एक फ्लैट पर छापेमारी की गई। यहां से सागर चौहान (23 वर्ष), निवासी न्याय खंड-1, इंदिरापुरम, गाजियाबाद तथा कुलदीप (25 वर्ष), निवासी ग्राम बरौली, थाना बल्देव, जनपद मथुरा को गिरफ्तार किया गया। पृष्ठछाछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे Loan112 एप के माध्यम से अधिक लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। पहले इच्छुक लोगों को फर्जी लोन अप्रूवल लेटर भेजकर विश्वास में लते थे, फिर पहले से चल रहे लोन को बंद कराने के नाम पर उनसे रकम अपने फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर करा लेते थे। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि वे विभिन्न लोन एप से लोन लेने वाले लोगों का डाटा हासिल कर उन्हें निशाना बनाते थे। ठगी की वारदात के बाद इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन और सिम कार्ड नष्ट कर दिए जाते थे ताकि पुलिस तक कोई सुराग न पहुंच सके। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह को फर्जी बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराने वाला एक अन्य व्यक्ति भी शामिल है, जो अपने कमीशन के रूप में 20 प्रतिशत रकम रखकर शेष 80 प्रतिशत नकद आरोपियों तक पहुंचाता था। वह अलग-अलग व्हाट्सएप कॉल के जरिए संपर्क करता था। उसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। इस संबंध में थाना बिसरख पर मु0अ0सं0 452/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं एवं आईटी एक्ट की धारा 66-डी में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के नेटवर्क की जांच में जुटी है।

एक दिन की बारिश ने खोली नोएडा प्राधिकरण की पोल, जलभराव से लोगों का जीना हुआ मुश्किल

संवाददाता
नोएडा। मानसून की औपचारिक शुरुआत से पहले हुई एक दिन की बारिश ने ही नोएडा प्राधिकरण की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी। शहर के कई इलाकों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया, जिससे यातायात बाधित रहा और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सेक्टर-49 और गांव बरौला से सामने आए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें सड़कें तालाब जैसी दिखाई दे रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता बी.सी. प्रधान ने नोएडा प्राधिकरण की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि हाइटेक सिटी नोएडा में हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति देखने को मिलती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई और ड्रेनेज व्यवस्था के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका कोई प्रभाव दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण नालों की समय पर सफाई नहीं हो पाती, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। बी.सी. प्रधान ने कहा कि अभी तो मानसून पूरी तरह शुरू भी नहीं हुआ है, फिर भी एक दिन की बारिश ने शहर की बदहाल जल निकासी व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी। उन्होंने सेक्टर-49 और गांव बरौला की वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में लोग घंटों तक जलभराव की समस्या से जूझते रहे और कई वाहन पानी में फंस गए। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में नोएडा विधायक द्वारा प्राधिकरण अधिकारियों के साथ बैठक कर 15 जुलाई तक सभी नालों की सफाई पूरी करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद हालात में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। इससे स्पष्ट है कि अधिकारियों ने निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि जलभराव वाले क्षेत्रों की तत्काल पहचान कर स्थायी समाधान किया जाए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि मानसून के दौरान शहरवासियों को बार-बार ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।



थैलेसीमिया मरीजों के लिए 11 जुलाई को लगेगा मुफ्त जांच शिविर

संवाददाता- ग्रेटर नोएडा, 9 जुलाई। थैलेसीमिया और अन्य गंभीर रक्त संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शारदकेयर-हेल्थसिटी 11 जुलाई को बाल आयुष फाउंडेशन, थैलेसीमिक्स इंडिया और DATRI के सहयोग से मुफ्त HLA टाइपिंग कैप, स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्रेशन अभियान और बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक अस्पताल के पीडियाट्रिक न्यू ओपीडी में होगा। कैप में थैलेसीमिया, सिक्ल सेल डिजीज और अन्य रक्त रोगों से पीड़ित मरीजों के साथ उनके भाई-बहन, माता-पिता और रिश्तेदारों की मुफ्त HLA टाइपिंग की जाएगी, जिससे बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए उपयुक्त स्टेम सेल डोनर की पहचान हो सके। योग्य मरीजों को रियायती दर पर बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल के बोन मैरो ट्रांसप्लांट एवं हेमेटोलॉजी विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ. पवन कुमार सिंह ने कहा कि भारत में हजारों बच्चे थैलेसीमिया के कारण नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन पर निर्भर हैं। सही डोनर मिलने पर बोन मैरो ट्रांसप्लांट उनके लिए स्थायी इलाज साबित हो सकता है। वहीं, ग्रुप सीईओ डॉ. कौसर शाह ने कहा कि मजबूत वॉलंटरी स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री बनने से थैलेसीमिया और अन्य गंभीर ब्लड डिसऑर्डर से पीड़ित बच्चों को समय पर जीवनरक्षक इलाज मिल सकेगा।



तेज रफ्तार कार ने तीन प्रवासी मजदूरों को रौंदा, मौके पर दर्दनाक मौत



संवाददाता-जेवर। जेवर क्षेत्र के खुर्जा मार्ग स्थित नीमका गांव के समीप बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में धान की रोपाई का कार्य कर लौट रहे तीन प्रवासी मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने पैदल जा रहे मजदूरों को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची, शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार बिहार के अररिया जिले से आए कई मजदूर हर वर्ष की तरह इस बार भी नीमका गांव में धान की रोपाई के लिए पहुंचे थे। बुधवार रात करीब नौ बजे बारिश शुरू होने के कारण मजदूर खेतों से पैदल गांव लौट रहे थे। इसी दौरान खुर्जा की ओर से तेज गति से आ रही एक कार ने उन्हें अपनी चोपट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि करन (22), विश्वजीत (24) और मिथुन (25) निवासी अररिया (बिहार)



की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच के आधार पर दुर्घटना में शामिल कार और उसके चालक को पहचान कर ली गई। पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया है, जबकि आरोपी चालक की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मृतकों के परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसएसआई संसार सिंह ने बताया कि दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान कर उसे कब्जे में ले लिया गया है। फरार चालक की तलाश जारी है और उसे शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस हृदयविदारक हादसे से गांव में शोक का माहौल है तथा मृतकों के साथ काम करने वाले अन्य मजदूर भी घटना से स्तब्ध हैं।

सर्वोदय नगर में जलभराव से हुई 3 साल की बच्ची की मौत, परिजनों ने नेशनल हाईवे किया जाम

संवाददाता
गाजियाबाद। थाना विजयनगर क्षेत्र स्थित सर्वोदय नगर में जलभराव की समस्या एक मासूम बच्ची के लिए जानलेवा साबित हो गई। क्षेत्र में हुई बारिश के बाद सड़कों और गलियों में भरे पानी के बीच एक दर्दनाक हादसे में 3 वर्षीय बच्ची मानवी की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम और संबंधित विभागों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए और नेशनल हाईवे - 9 पर जाम लगा दिया। परिजनों के हाईवे पर जाम लगाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उनकी मांग पूरी करने का आसान देते हुए जाम को खुलवाया। इसी कड़ी में सर्वोदय नगर में पिछले कई दिनों से जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी जमा हो रहा था। क्षेत्र की कई गलियां और सड़कें पानी से लबालब भरी हुई थीं। इसी दौरान एक 3 वर्षीय बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी। खेलते समय वह जलभराव वाले क्षेत्र में पहुंच गई



और अचानक गहरे पानी में गिर गई। आसपास मौजूद लोगों को जब तक घटना की जानकारी हुई, तब तक काफी देर हो चुकी थी।स्थानीय निवासियों ने बच्ची को तत्काल पानी से बाहर निकाला और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सर्वोदय नगर में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों

से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। यदि समय रहते जल निकासी की समुचित व्यवस्था कर दी जाती तो वह हादसा टाला जा सकता था। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेने की मांग की। बरसात के मौसम में कई स्थानों पर पानी भर जाता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। खोसकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति बेहद जोखिमपूर्ण है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली उपासना पाण्डेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटना पर दुख व्यक्त करते हुए क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा करने और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। परिवार की संभव मदद की जाएगी और उनके लिए जो संभव मदद है, वह की जाएगी।

संवाददाता
ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के बीच गुरुवार को एक निर्माणधीन मार्ट की बाउंड्री वॉल गिर गई। इसके साथ ही दीवार से सटी सड़क का एक हिस्सा भी धंस गया। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना श्री राधा स्काई गार्डन सोसायटी के पास निर्माणधीन लंदन मार्ट की है। लगातार बारिश के कारण निर्माण स्थल के बेसमेंट के पास मिट्टी कमजोर हो गई थी। इसके चलते बाउंड्री वॉल भरभराकर गिर गई और उसके साथ सड़क का हिस्सा भी धंस गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और प्राधिकरण से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। श्री राधा स्काई गार्डन सोसायटी के पास लंदन मार्ट का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण स्थल पर बेसमेंट बनाया जा रहा था। लगातार हो रही बारिश से बेसमेंट के आसपास की मिट्टी में



पानी भर गया, जिससे जमीन कमजोर पड़ गई। इसी के चलते निर्माणधीन मार्ट की बाउंड्री वॉल अचानक गिर गई। दीवार गिरने के साथ ही उससे सटी सड़क का एक हिस्सा भी धंस गया। गुरुवार दोपहर स्थानीय लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने कहा कि यह बड़ा हादसा बन सकता था। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि हादसे के समय सड़क पर वाहन या राहगीर होते, तो गंभीर जनहानि हो सकती थी। स्थानीय लोगों ने प्राधिकरण से निर्माण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। उनका कहना है कि

लगातार बारिश के बीच ऐसे निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। लोगों ने यह भी कहा कि सड़क का केवल किनारे वाला हिस्सा धंसा है। अगर ज्यादा हिस्सा धंस जाता, तो आसपास की आवाजाही भी पूरी तरह प्रभावित हो सकती थी। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते कई इलाकों में जलभराव, सड़क धंसने और निर्माण स्थलों पर नुकसान की घटनाएं सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बारिश के दौरान संवेदनशील निर्माण स्थलों का निरीक्षण कराने और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने की मांग की है।

औद्योगिक विकास को गति देने पर जोर, उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

संवाददाता
ग्रेटर नोएडा। जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अनियोजित विद्युत कटौती, जल कनेक्शन एवं नियमित जलापूर्ति, जल बिलों के न्यायोचित निस्तारण, जलभराव, जल निकासी व्यवस्था, क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण तथा जीएसटी और सीजीएसटी से संबंधित नोटिसों के कारण आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। साथ ही उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ नियमित समन्वय बैठकें

विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अनियोजित विद्युत कटौती, जल कनेक्शन एवं नियमित जलापूर्ति, जल बिलों के न्यायोचित निस्तारण, जलभराव, जल निकासी व्यवस्था, क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण तथा जीएसटी और सीजीएसटी से संबंधित नोटिसों के कारण आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। साथ ही उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ नियमित समन्वय बैठकें



आयोजित करने की आवश्यकता भी बताई। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कहा कि जनपद में उद्योगों के लिए बेहतर और अनुकूल वातावरण

उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बैठक में उठाए गए सभी बिंदुओं पर संबंधित विभागों के

माध्यम से प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण कर समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर चिन्हंकन किया जाए और उनके स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि निवेशकों और उद्यमियों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण होने से औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलेगी, नए निवेश आकर्षित होंगे तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे। बैठक में उद्योगों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत

विचार-विमर्श करते हुए विभागीय समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी सहमति व्यक्त की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, मुख्य एगु चिकित्सा अधिकारी अरुण कुमार, प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक जिला ग्रामीण विकास अधिकरण नेहा सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी, इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं है गडकरी परिवार: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत की एथनॉल नीति को लेकर जारी चर्चाओं के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने एथनॉल उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी और इससे जुड़े आर्थिक लाभों के आरोपों पर खुलकर जवाब दिया। एक हालिया साक्षात्कार में, गडकरी ने उन दावों को सिर से खारिज किया कि वह एथनॉल नीति से कोई बड़ा आर्थिक फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एथनॉल के उत्पादन में उनकी भागीदारी अत्यंत छेटी है, जो मात्र 0.07 प्रतिशत है। इसकी कम हिस्सेदारी के साथ किसी भी बड़े आर्थिक लाभ की बात को उन्होंने निराधार बताया और यह भी कहा कि 0.07 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला व्यक्ति देश की इतनी महत्वपूर्ण नीति को अपने निजी लाभ के लिए प्रभावित नहीं कर सकता।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि वह हमेशा वैकल्पिक ईंधन के प्रबल समर्थक रहे हैं, न कि केवल एथनॉल के। उनके अनुसार, एथनॉल का व्यापक उपयोग किसानों के लिए अलार्थिक लाभकारी है। उन्होंने बताया कि एथनॉल नीति का निर्णय अकेले उनके द्वारा नहीं लिया गया है, बल्कि यह पेट्रोलियम मंत्रालय, कैबिनेट और गहन वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद एक सामूहिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन आरोपों का भी उन्होंने जवाब दे दिया जिन्हें कहा गया था कि उनके परिवार के सदस्यों को चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन में शामिल हैं और इसलिए वे एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रहे हैं। गडकरी ने स्पष्ट किया कि उनके परिवार की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि देश में एथनॉल की अधिकता के कारण मक्के से एथनॉल बनाने का कदम उठाया गया, जिससे उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई। गडकरी ने आंकड़े देते हुए बताया कि जब यह निर्णय लिया गया, तब मक्के की बाजार कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,800 रुपये प्रति क्विंटल था। इस नीति के परिणामस्वरूप, मक्के की कीमत बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिला। ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों को नुकसान पहुंचने की अफवाहों पर भी गडकरी ने एथनॉल नीति का निर्णय अकेले उनके द्वारा चुनौती दी कि कोई भी एक ऐसी कार का नाम बताए जिसमें ई20 पेट्रोल के कारण कोई समस्या आई हो। उन्होंने आरोप लगाया कि परिणाम है। उन आरोपों का भी उन्होंने जवाब दे दिया जिन्हें कहा गया था कि उनके परिवार के सदस्यों को चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन में शामिल हैं और यह एक पैसे से चलाया जा रहा अभियान है।



शामिल हैं और इसलिए वे एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रहे हैं। गडकरी ने स्पष्ट किया कि उनके परिवार की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि देश में एथनॉल की अधिकता के कारण मक्के से एथनॉल बनाने का कदम उठाया गया, जिससे उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई। गडकरी ने आंकड़े देते हुए बताया कि जब यह निर्णय लिया गया, तब मक्के की बाजार कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,800 रुपये प्रति क्विंटल था। इस नीति के परिणामस्वरूप, मक्के की कीमत बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिला। ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों को नुकसान पहुंचने की अफवाहों पर भी गडकरी ने एथनॉल नीति का निर्णय अकेले उनके द्वारा चुनौती दी कि कोई भी एक ऐसी कार का नाम बताए जिसमें ई20 पेट्रोल के कारण कोई समस्या आई हो। उन्होंने आरोप लगाया कि परिणाम है। उन आरोपों का भी उन्होंने जवाब दे दिया जिन्हें कहा गया था कि उनके परिवार के सदस्यों को चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन में शामिल हैं और यह एक पैसे से चलाया जा रहा अभियान है।

जीटीबी अस्पताल के बाहर आप का शांतिपूर्ण प्रदर्शन, दवा खरीद में कथित 650 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच की मांग

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की करावल नगर विधानसभा इकाई ने गुरुवार को गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी अस्पताल) के मुख्य द्वार पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिल्ली सरकार पर दवाइयों की खरीद में कथित 650 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यदि दवा खरीद में अनियमितताएं हुई हैं तो यह केवल वित्तीय मामला नहीं, बल्कि जनता के स्वास्थ्य और सरकारी व्यवस्था पर विश्वास से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के टैक्स के पैसे का उपयोग जनता के हित में होना चाहिए, न कि किसी भी प्रकार की अनियमितता के लिए।



इस विरोध प्रदर्शन में श्रीराम कॉलोनी वार्ड के निगम पार्श्व आमिल मलिक ने भी बहू-चड़कर हिस्सा लिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के साथ मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा जनता के धन के

पारदर्शु उपयोग की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार से इस मामले पर अपना पक्ष स्पष्ट करने और आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। इस अवसर पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी

करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता इस मामले में जवाब चाहती है।

हालांकि, इन आरोपों पर भाजपा या दिल्ली सरकार की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अखिलेश ने शंकराचार्य से लिया आशीर्वाद, दोनों ने मंदिर घोटाले को लेकर बीजेपी पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने गुरुवार सुबह लखनऊ में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। यह 30 मिनट की मुलाकात, जिसमें अखिलेश जमीन पर बैठे दिखाई दिए, चार माह में दोनों नेताओं की दूसरी बैठक थी। इस भेंट के बाद अखिलेश यादव ने बताया कि शंकराचार्य गौमाता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने को लेकर बेहद चिंतित हैं और इस दिशा में काम कर रहे हैं। वहीं, शंकराचार्य ने मंदिर में हुए कथित घोटाले पर खुलकर बात की, मुख्यमंत्री पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाकर इतना तक कह दिया कि जब नया मुख्यमंत्री आएगा, तब तगड़ी कार्रवाई करेगा। शंकराचार्य, जो गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए 81 दिवसीय गोरक्षार्थ-धर्मयुद्ध यात्रा पर हैं, ने अखिलेश से हुई बातचीत में कहा कि भले ही लोग गाय को माता मानते हों, लेकिन सरकार गाय को पशु मानती है। सप्ता प्रमुख अखिलेश ने शंकराचार्य के आरोपों का समर्थन कर राम मंदिर चढ़ावे की चोरी को महापाप बताया और सीधे तौर पर भाजपा पर निशाना साधा, कहते हुए कि इन्होंने ही यह महापाप किया है। उन्होंने दावा किया कि मामले के सामने आने के बाद भाजपा में भगदड़ मच गई है और बहुत से लोग अभी से उनसे संपर्क साध रहे हैं, जबकि मौजूदा एसआईटी जांच को उन्होंने लीपापोती करार दिया। सप्ता प्रमुख यादव ने कहा कि यदि मंदिर परिसर में काम करने वाले लोगों की सीडीआर निकाली जाए, तब 99 प्रतिशत लोग भाजपा के ही निकलेंगे। जिसके बाद पार्टी में ऐसी भगदड़ मचेगी जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती, और उन्होंने इंगित किया कि एसआईटी के एक सदस्य पर 420 का मुकदमा है, जो इस जांच की विवसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

निज्जर हत्याकांड पर नए घटनाक्रम के बीच बयानबाजी तेज

–पूर्व विदेश सचिव ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या के मामले में हालिया जांच संबंधी घटनाक्रम के बाद भारत-कनाडा संबंधों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और कूटनीतिक बहस तेज हो गई है। कनाडा की पुलिस ने हाल में कहा है कि मौजूदा संगठित अपराध संबंधी जांच और दायर आरोपों में भारतीय सरकारी अधिकारियों की सल्लसता का कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है।

इसी घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका के फ्रिस्टोफर बेलैरी ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की कि कनाडाई अधिकारी इस मुद्दे पर सीधे जवाब देने से बच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आधिकारिक बयान विवाद के मूसल प्रश्न से ध्यान हटाने का प्रयास प्रतीत होता है। इस टिप्पणी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कवल सिब्बल ने कड़ा जवाब दिया है।



उन्होंने कहा कि यदि जांच एजेंसियां यह कह रही हैं कि उपलब्ध जांच और आरोपों में भारतीय सरकार से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं मिला है, तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटनाक्रम से पूर्व में लगाए गए आरोपों पर एफ् सिर से

चर्चा की आवश्यकता महसूस होती है।

कनाडा की जांच एजेंसियों का कहना है कि हालिया कार्रवाई मुख्य रूप से संगठित अपराध गिरोहों के खिलाफ की गई है। इसी क्रम में अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगियों पर निज्जर हत्या की साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, अमेरिकी अभियोगों में भी भारतीय सरकार पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया गया है।

अखेखनीय है कि वर्ष 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों की सभावित सल्लसता का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने शुरू से ही निराधार बताते हुए खारिज किया था। हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के बीच इस मामले को लेकर बहस एक बार फिर चर्चा में है, जबकि जांच से जुड़े अन्य पहलुओं पर संबंधित एजेंसियों की कार्रवाई जारी है।

ममता बनर्जी ने घर के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को जड़ें थपपड़

–टीएमसी की रैली में हुआ था जोरदार हंगामा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को तुप्पमूल कांग्रेस (टीएमसी) की विरोध रैली के दौरान उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब रैली पर कथित तौर पर अंडे फेंके गए और भाजपा तथा टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने आवास के बाहर मौजूद भीड़ पर नाराज होती दिखाई दी और धक्का-मुक्की के दौरान उन्होंने अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थपपड़ जड़ दिए। इस घटना के वीडियो फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। टीएमसी ने यह रैली बारहपुर में 11 वर्षीय बच्चों के साथ

कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में निकाली थी। पार्टी को इस रैली के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिली थी। रैली बालीगंज फाड़ी से हाजरा क्रॉसिंग तक निकली जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने रैली में शामिल कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंके और 'चोर-चोर' के नारे लगाए, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। पार्टी का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों ने रैली में व्यवधान डलने का प्रयास किया और मारपीट की घटनाएं भी हुईं। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है और पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रही है। रैली के दौरान बालीगंज स्थित मुख्यमंत्री के

आवास के पास भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प बढ़ गई, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज भी किया। घटना के बाद बड़ी संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री के घर के बाहर पहुंच गए। भीड़ और धक्का-मुक्की के बीच ममता बनर्जी लोगों को पीछे हटने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहती नजर आईं। इसी दौरान उन्होंने सामने मौजूद तीन लोगों को कथित तौर पर थपपड़ मारे, जिसका वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। अखेखनीय है कि बारहपुर में 11 वर्षीय बच्चों के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी प्रभास मंडल पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है, जबकि फरार आरोपी कबीर मोल्ल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

तबाही मचाने आ रहा है महातूफान बावी, कई देशों में हाई अलर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में उठा फ्रांस के आकार का महाविनाशकारी टाइफून बावी अब ताइवान और चीन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाले इस शक्तिशाली तूफान के कारण ताइवान, चीन और जापान में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुरुवार को यह तूफान ताइवान के दक्षिण-पूर्व में पहुंच गया है, हालांकि रात भर में इसकी हवाओं की गति में मामूली कमी आई है, लेकिन इसका खतरा अभी भी बहुत बड़ा है। प्रशासन ने इसे कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफान बताते हुए निवासियों से अपील की है कि वे जरूरी सामानों का स्टॉक कर लें और किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहें। मौसम विज्ञान के आंकड़ों के अनुसार, टाइफून बावी का भारत पर सीधा कोई प्रभाव नहीं

पड़ेगा। दरअसल, यह महातूफान प्रशांत महासागर में बना है और इसका ट्रैक उत्तर-पश्चिम की ओर, यानी ताइवान, पूर्वी चीन और दक्षिणी जापान की ओर है, इसलिए भारत के किसी भी तटीय इलाके में इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है। हालांकि, मौसम विज्ञान के नजरिए से प्रशांत महासागर के इतने विशाल तूफानों का एशियाई मौसम प्रणालियों पर अप्रत्यक्ष असर जरूर देखने को मिलता है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, टाइफून बावी के विशाल घेरे के कारण फिलीपींस और दक्षिण-चीन सागर के आसपास चलने वाला दक्षिण-पश्चिम मॉन्सून (हवागाट) काफी तीव्र हो गया है। बावी के असर से वहां भारी बारिश और बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। इसका मतलब है कि तूफान ने उस क्षेत्र के मानसून को अतिरिक्त

ऊर्जा दे दी है, जो आमतौर पर भारतीय सिस्टम से नमी को दूर ले जाता है।

1,000 किमी के क्षेत्र में फैला

वर्तमान में, यह तूफान अपने सबसे चौड़े बिंदु पर लगभग 1,000 किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है, जो आकार में लगभग फ्रांस के क्षेत्र की चौड़ाई के बराबर है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, यह तूफान ताइवान के उत्तरी हिस्से को छूते हुए शनिवार शाम को चीन के पूर्वी फुजियान प्रांत के तटों से टकराएगा। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अधिकारी जेसन चांग ने बताया कि आकार के लिहाज से यह 1987 के बाद ताइवान से टकराने वाला सबसे बड़ा तूफान है, और हाल के वर्षों में इतने बड़े आकार के तूफानों

का आना बहुत दुर्लभ रहा है।

चीन और जापान व ताइवान का हाल

भारत के पड़ोसी देश चीन और जापान व ताइवान जैसे देश जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार विनाशकारी मौसमी घटनाओं का सामना कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के लिए यह साल विशेष चिंता का विषय है क्योंकि अल नीनो प्रभाव के उभरने की उम्मीद है, जिसके कारण समुद्र का तापमान बढ़ाए है और इस तरह के टाइफून अधिक बार तथा कहीं ज्यादा विनाशकारी रूप में आते हैं। एक्स्प्रेडर के अनुसार, अगर टाइफून बावी अपनी मौजूदा ताकत बनाए रखता है, तो यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 2024 में आए सुपर टाइफून कोंग-रे के बाद सबसे शक्तिशाली तूफान बन जाएगा।



दिल्ली को दहलाने वाली साजिश का बड़ा खुलासा

बस अड्डा, रेलवे स्टेशन और थाने समेत कई जगहों पर होने वाला था हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को दहलाने की एक बड़ी आतंकी साजिश का दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भंडापोड़ किया है, जिसमें गिरफ्तार पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क से जुड़े छह संदिग्धों से पूछताछ में कई चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, इन संदिग्धों के निशाने पर दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस, आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) और एक रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण स्थान थे। आरोपियों ने इन ठिकानों की बाकायदा रेकी की थी और इसके वीडियो भी उनके मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर को भेजा गया था।

स्पेशल सेल के अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि एकड़े गए संदिग्धों को पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी सीधे निदेश दे रहा था। उसके निशाने पर केवल दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरा उत्तर भारत था, जिसमें कई बेहद महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल थे। भट्टी भारत में युवाओं को बरगलाने और अपने नेटवर्क में



शामिल करने के लिए इंस्टा, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लेता था। दिल्ली पुलिस ने इस गैंग से जुड़े करीब दर्जन भर आतंकी गिराहों का भंडापोड़ करते हुए पिछले एक साल में 60 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और ऐसे 100 से अधिक संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट्स और चैनलों को चिह्नित करके बंद कर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार आतंकियों ने दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस (सिविल

लाइंस), आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी), एक रेलवे स्टेशन और दिल्ली के शहजाद भट्टी ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे 10 लिए विस्तृत रेकी की थी। इन संवेदनशील स्थानों के रेकी वीडियो आरोपियों के मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को भेजा गया था। स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी दानिश उर्फ चांद मियां को दिल्ली रेकी करने और पेट्रोल बम से हमला करने का जिम्मा

सौंपा गया था, जिसके लिए भट्टी ने उसे 20 हजार रुपये का लालच दिया था। वहीं, सलमान को पेट्रोल बम हमले का वीडियो रिकॉर्ड करने की जिम्मेदारी दी गई थी ताकि उसे दुष्प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों और भट्टी के बीच हुई बातचीत के अंश भी सामने आए हैं, जिसमें भट्टी दानिश से मटेरियल (सामान) शाम को डिलीवर हो जाएगा, कलेक्ट कर लो और क्या पूरा सामान मिल गया? जैसे निर्देश देता है। जवाब में दानिश सबकुछ कलेक्ट कर लिया कहता है और फिर अगला टास्क देता है? पूछता है, जिस पर भट्टी मटेरियल को पूरी सुरक्षा के साथ तैयार रखे और अगला हुक्म मिलने का इंतजार करे का आदेश देता है। स्पेशल सेल की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि ये छह आरोपी केवल शहजाद भट्टी ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे 10 अन्य संदिग्धों के भी लगातार संपर्क में थे, जो भट्टी नेटवर्क के लिए ही काम करते हैं। पुलिस अब इन सभी विदेशी हैंडलर्स की भूमिका और भारत में उनके बाकी स्लीपर सेल्स की तलाश में गहन जांच कर रही है, ताकि इस पूरे आतंकी नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।

दिल्ली के रिज इलाके में सामान्य से दोगुनी बारिश, एक्वुआई 10 महीने में सबसे शुद्ध



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जुलाई की शुरुआत के साथ ही मानसून का आक्रमक रूप देखने को मिल रहा है। दिल्ली के रिज क्षेत्र में जुलाई के शुरुआती आठ दिनों में सामान्य से दोगुनी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इस मौसलाधार बारिश ने जहां एक तरफ दिल्लीवालों को भीषण जाम और जलभराव की मुसीबत में डाल दिया, वहीं दूसरी तरफ शहर की हवा को पिछले 10 महीनों में सबसे साफ और शुद्ध बना दिया है। भारी बारिश के कारण शहर की सड़कों पर जलभराव और जाम के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। आईएमडी के मुताबिक रिज मौसम केंद्र में 1 जुलाई से 8 जुलाई सुबह 8.30 बजे तक 79.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के लिए दीर्घकालिक औसत 31.2 मिमी है। बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई। रोहतक रोड पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां पंजाबी बाय और एक्वुआई की कई घंटों तक यातायात पर रहां। कम दूर्यता और जलभराव के कारण रिंग रोड, आउटर रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। शहर का 24 घंटे का एक्वुआई 59 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में था। 4 सितंबर 2025 के बाद बुधवार को एक्वुआई सबसे कम रहा। उस दिन एक्वुआई 58 दर्ज किया गया था। सीपीसीबी के मुताबिक शुन्य से 50 के बीच एक्वुआई की 'अच्छा' माना जाता है, जबकि 51 से 100 के बीच का एक्वुआई 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। आईएमडी ने गुरुवार के लिए 'थेली अलर्ट' जारी किया है और आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ हवा में मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 डिग्री सेल्सियस और 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

महाराष्ट्र में दोहरी मार :

झमाझम बारिश के बीच लोग भूकंप के 4 झटके

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लगातार हो रही मौसलाधार बारिश के बीच बीते गुरुवार को मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़, हिंगोली और परभणी जिलों में भूकंप के चार हल्के झटके महसूस किए गए, जिसने आधी रात को धरती को कंपा दिया। एक अधिकारी ने बताया कि ये झटके रात 1.37 बजे से 3.23 बजे के बीच आए और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 3.6 से 4.6 के बीच मापी गई। जिला आपातकालीन केंद्र को रात 01:37, 02:15, 02:17 और 03:23 बजे इन झटकों की सूचना मिली। पहले झटके की तीव्रता 4.6, दूसरे की 3.6, तीसरे की 3.9 और चौथे की 4.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में शिरली गांव में स्थित था। राहत की बात यह रही कि जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली, जबकि इन झटकों के आने के समय ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे। हिंगोली, नांदेड़ और परभणी के कई निवासियों ने इन तीव्र कंपनों को महसूस किया। पहले झटके का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में पांगरा शिंदे गांव के दक्षिण में शिरली गांव के पास था, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर दर्ज की गई। बाद के दो झटकों के केंद्र पांगरा शिंदे गांव के उत्तर-पश्चिम में स्थित ककडवाडा रिंग के पास थे और वे भी 10 किलोमीटर की गहराई पर आए। पिछले छह वहां में, हिंगोली जिले के औंधा नागनाथ, कलमनुरी और वसमत तालुका में 37 से अधिक हल्के भूकंप दर्ज किए गए हैं, लेकिन एक ही रात में चार झटके आना यह पहली बार दर्ज किया गया मामला है, जो स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। भूकंप मुख्य रूप से पृथ्वी की बाहरी परत में मौजूद टेक्टोनिक प्लेट्स के खिसकने या हिलने-डुलने से आते हैं। हमारी पृथ्वी की क्रस्ट कई विशाल प्लेट्स में विभाजित है जो मेमों की ऊपरी परत पर तेजी रहती है। ये प्लेटें लगातार धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर या पास आती रहती हैं। जब इन प्लेटों की सीमाओं पर घर्षण बहुत अधिक बढ़ जाता है और अचानक फिसलती है, तो भारी मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है। इस ऊर्जा की लहरें पृथ्वी की सतह पर कंपन पैदा करती हैं, जिसे हम भूकंप के रूप में महसूस करते हैं। इसके अलावा, ज्वालामुखी गतिविधि, बड़े बांधों का निर्माण या खदानों में किए जाने वाले विस्फोट जैसी मानवीय गतिविधियां भी छोटे भूकंपों का कारण बन सकती हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल से मापी जाती है और यह एक प्राकृतिक आपदा है जो जान-माल की भारी क्षति कर सकती है, इसलिए भूकंप-प्रतिरोधी भवन निर्माण और पूर्व चेतावनी प्रणालियों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सीआरपीएफ जवान ने सर्विस

राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार को हुई। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मुक्त की पहचान और प्रदेश निवासी बड़े वंदा रेड्डी के रूप में हुई है। वह दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की एक कंपनी में तैनात थे। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही उसके सहकर्मियों और संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।

हापुड़ की फैक्ट्री में आग : एक मजदूर की दर्दनाक मौत

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में धौलाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक दवा फैक्ट्री में आज सुबह तड़के लग्गी भीषण आग ने एक मजदूर की जान ले ली और एक अन्य को गंभीर रूप से झुलसा दिया। यह दर्दनाक घटना औद्योगिक सुरक्षा मानकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आग इतनी विकराल थी कि कई मजदूर फैक्ट्री के अंदर फंस गए थे, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा के अनुसार, आज तड़के करीब 4 बजकर 13 मिनट पर फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। यह सूचना मिलते ही तत्काल यूपीफर्सआईसीटी चौकी पर तैनात वाटर बाउजर को घटनास्थल पर रवाना किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए, अग्निशमन केंद्र पिलखुआ से दो और हापुड़ से तीन वाटर टैंकर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के साथ घटनास्थल पर भेजे गए। रास्ते में ही, स्थिति की विकरालता को भांपते हुए, जनपद गाजियाबाद से भी दो अतिरिक्त वाटर बाउजर की मांग की गई और इसकी सूचना फायर सर्विस मुख्यालय को दी गई। दमकल की सभी टीमों ने मिलकर फैक्ट्री को चारों ओर से घेरकर एक संयुक्त अभियान चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

तेज रफ्तार कार लॉरी से टकराई, 7 की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

-कार में नौ लोग सवार थे वे सभी चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार तड़के एक कार और लॉरी की आतंन-सामना की टक्कर होने से सात लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह हादसा एनएच-52 पर अरावेल घाट इलाके में बालागारा क्रॉस के पास रात करीब 1.30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में हवर्ली रेफर कर लिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक एमयूवी में ड्राइवर समेत नौ लोग सवार थे और वे धारवाड़ से धर्मस्थल और चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे। जानकारी से पता चला है कि गाड़ी का ड्राइवर एक फुड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ पार्क-टाइम डिलीवरी एजीयूयटिव के तौर पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर संजीव तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। वह सड़क के एकदम दाईं ओर चला गया और अंकोला की ओर से आ रही लॉरी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मरने वाले सभी लोग धारवाड़ के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान ड्राइवर संजय अंगडी (33), बसपरवा (38), अभिषेक ईश्वर (28), अक्षय (26), अभिषेक (26) और मंजूनाथ चुलाकी (32) में हुई है।

हरियाणा सी.एम 19 को एसएमसी सदस्यों से करेंगे सीधा संवाद

हरियाणा (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी अब प्रदेशभर के SMC (विद्यालय प्रबंधन समितियों) से संवाद करेंगे। इस दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, स्कूलों के प्रभावी संचालन एवं प्रबंधन आदि विषयों को लेकर चर्चा करेंगे। वहीं 19 जुलाई को होने वाले इस संवाद की तैयारियों को लेकर प्रदेशभर के सभी जिला शिक्षा अधिकारी (DEO), जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी (DEEO) व जिला परियोजना समन्वयक को तैयारियों के निर्देश दिए हैं। वहीं भिवानी की जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया ने कहा

कि मुख्यमंत्री द्वारा एसएमसी से संवाद किया जाएगा। जिसको लेकर समय रहते तैयारियों के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान शिक्षा व स्कूलों संबंधित विषय को लेकर चर्चा की जाएगी। 19 जुलाई को सीएम नाथब सैनी राज्य की सभी SMC से ऑनलाइन संवाद करेंगे। इसको लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर तैयारियों के निर्देश दिए हैं। जिसमें कहा गया है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यालयों के प्रभावी संचालन एवं प्रबंधन तथा सामुदायिक सहभागिता को

समितियों के साथ राज्य स्तरीय ऑनलाइन संवाद करेंगे। गुणवत्तापूर्ण अधिगम व छात्र उपस्थिति पर होगी चर्चा इसमें मुख्यमंत्री एसएमसी सदस्यों के साथ विद्यालय विकास, गुणवत्तापूर्ण अधिगम, छात्र उपस्थिति, सुरक्षित एवं स्वच्छ विद्यालय वातावरण, सामुदायिक सहभागिता तथा विकसित हरियाणा-2047 के निर्माण में एसएमसी की भूमिका जैसे विषय पर चर्चा करेंगे। वीसी के माध्यम से सभी विद्यालयों के एसएमसी सदस्य जुड़कर संवाद में सम्मिलित होंगे। जिला स्तरीय एवं खंड स्तरीय

अधिकारी अपने जिले की एक एसएमसी का चयन करके सूचना दें। साथ ही एसएमसी सदस्य वही जुड़ेंगे ताकि दो तरफा संवाद में भाग ले सकें। इसलिए एसएमसी सदस्यों की उपस्थिति, तकनीकी व्यवस्था एवं कार्यक्रम संबंधित आवश्यक तैयारियां समय से करें।



संक्षिप्त डायरी अधिकारियों से मारपीट की आरोपी विधवा का ऑडियो वायरल

यमुनानगर (एजेंसी)। इन दिनों सड़ौरा नगर पालिका लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। कल ही भाजपा नेता और सेनेटरी इंस्पेक्टर की बहस का वीडियो सामने आया था। वहीं आज नया अधिकारियों के साथ मारपीट और जातिपुचक शब्द कहने के मामले में आरोपी विधवा महिला का एक ऑडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस ऑडियो में महिला अपने बेटे के साथ आत्महत्या करने की बात कह रही है। साथ ही उसने नगर पालिका चेयरपर्सन व एमसी सहित कुछ नया अधिकारियों को मौत का जिम्मेदार ठहराते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं। ऑडियो सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। वहीं दूसरी ओर नगर पालिका चेयरपर्सन ने महिला के सभी आरोपों को सिर से खारिज करते हुए उन्हें झूठा और बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि वह संबंधित महिला को जानती तक नहीं हैं और पहली बार उनका नाम इस मामले में सुन रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह मामले को लेकर एसपी से शिकायत करेगी और महिला के खिलाफ मानहानि का मुकदमा भी दायर करेगी। बता दें कि शनिवार को सड़ौरा नगर पालिका की टीम मेन बाजार में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने पहुंची थी। अधिकारियों का आरोप है कि दिल्ली कॉम्प्लेक्स के सामने बर्तनों की दुकान चलाने वाली सोनिया और उसके बेटे कृष्णा ने नगर पालिका टीम के साथ गाली-गलौज की। आरोप है कि दोनों ने सेनेटरी इंस्पेक्टर से चालान बुक छीनकर फाड़ दी और टीम के सदस्यों को जातिपुचक शब्द कहे। पुलिस ने मामले में मां-बेटे के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसके बाद अब महिला का यह कथित ऑडियो सामने आया है। वायरल ऑडियो में आरोपी महिला कह रही है, हमने इतनी बड़ी कोई गलती नहीं की थी और न ही नगर पालिका के ऊपर कोई लड़ाई-झगड़ा किया। मगर कानून अंधा है, जोकि हमारे पीछे हाथ धोकर पड़ा हुआ है। हमारी न तो नया चेयरपर्सन शालिनी ने कोई सुनवाई की और न ही किसी और ने। हमारे ऊपर तीन-चार साल से यह गेम खेला जा रही है, लेकिन इस गेम का मेन कोन है यह नहीं पता। महिला आगे कहती है, पहले मुझे और अब मेरे बच्चे को निशाना बनाया जा रहा है। हमें बदमान किया जाता है और अखबारों में हमारे नाम दिए जाते हैं। ऑडियो में महिला कहती है, मेरी शादी को 19 साल हो गए हैं और 11 साल मेरे पति की मौत को हो चुके हैं, लेकिन मेरी आज तक यहां किसी ने नहीं सुनी तंग होार मुझसे के साथ सुसाइड कर रही हूं महिला कहती है, मेरे अपने ही मेरे लिए साजिश रच रहे हैं। मुझे सब पता है कि कौन मुझे बदमान करना चाहता है। मैं जिंदगी से तंग होकर अपने बच्चे के साथ आज सुसाइड कर रहे हैं। हमारे मरने की जिम्मेदार नया चेयरपर्सन शालिनी, एमसी और तीन अन्य लड़के हैं। ऑडियो में महिला आरोप लगा रही है कि इन्होंने मुझसे पांच लाख रुपए की डिमांड की है, हमारे झूठे पच्चे कटवाए हैं। अब मैं अपनी जिंदगी से बहुत तंग हो चुकी हूं। किसी ने मेरी कोई सुनवाई नहीं की। मैं इज्जतदार परिवार से हूं, लेकिन इन्होंने मेरी हिम्मत तोड़ दी। थैक्स् सो मच सड़ौरा वालों, तुम जीत गए महिला ने कहा कि पहले सिर्फ मां को शिकार बनाया जाता था, लेकिन अब बेटे को भी शिकार बनाया जा रहा है। मैं सुबह 9 बजे से लेकर रात तक अपने बच्चे के साथ दुकान पर बैठती हूं, हमें जीने नहीं दिया। नगर पालिका वालों ने हमें पांच दिनों से इतना परेशान कर दिया था कि हमें सुसाइड करना पड़ रहा है। थैक्स् सो मच सड़ौरा वालों, तुम जीत गए और हम मां-बच्चा हार गए। ऑडियो के आखिर में महिला कहती है, "आज जब हम मरेंगे, तो हमें कंधा देने मत आना, हमारी आत्मा रोएगी, क्योंकि हमारी सुनवाई नहीं हुई। मेरे सास-ससुर के पास भी मत आना, क्योंकि उनका बेटा पहले ही जा चुका है और अब उनकी बहु व पोता भी जा रहे हैं। मैं श्राप देकर जा रही हूं कि जिन-जिन का हाथ है, उनका कभी अच्छा नहीं होगा। आज जब हमारी डेड बॉडी सड़ौरा के बीच आएगी, तो कोई रोना मत। मामले में सड़ौरा नगर पालिका चेयरपर्सन शालिनी शर्मा ने दैनिक भास्कर से बातचीत में महिला द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि वह इस महिला को जानती तक नहीं हैं और न ही आज तक उनकी उससे कोई मुलाकात हुई है।

नारनौल की नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़

नारनौल (एजेंसी)। महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल में एक नाबालिग छात्रा के साथ उसके पास के मोहल्ले के एक युवक पर ब्लैकमेल कर उसके साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में नाबालिग युवती ने बताया कि उसकी उम्र करीब 17 साल है। वह पहले शहर में पढ़ती थी। इसके बाद वह कोंचिंग के लिए राजस्थान के एक शहर में चली गई। इस दौरान उसकी दोस्ती शहर के एक मोहल्ला के राहुल कलवा के साथ हो गई। उसने बताया कि इस दौरान राहुल ने उसके साथ फोटो व वीडियो ले ली। जिसके बाद वह राहुल ने उसके साथ ली हुई फोटो को दिखाकर उसको ब्लैकमेल किया। बाद में उसने उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। आरोपी ने किसी को बताने पर नाबालिग को जान से मारने की धमकी दी। साथ ही उसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी भी दी। वह फिर से उसको बुलाकर ब्लैकमेल कर पसत काम करना चाह रहा था। केस दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस उसने इस बात को परिजनों को बताया। परिजनों ने इस पर पुलिस में शिकायत दी। जिसके बाद पुलिस ने जांच कर आरोपी युवक राहुल के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। इस बारे में सिटी एसएचओ हरिकिशन ने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज कर लिया है। वहीं आरोपी युवक की पुलिस तलाश कर रही है, जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का ट्रायल टला

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। एलिवेटेड रेलवे ट्रैक पर ट्रेन का होने वाला ट्रायल टाल दिया गया है। अब यह ट्रायल 2 दिन बाद होने की संभावना है। हालांकि BJP के नेता 9 जुलाई को ट्रैक पर ट्रायल होने का दावा करते रहे, लेकिन रेलवे अधिकारियों ने उनके दावे को हवा निकाल कर रख दी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, अभी एलिवेटेड ट्रैक का काफी काम बकाया है। इस काम को पूरा होने में 1 से 2 दिन का समय लग सकता है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक रहा तो 10 जुलाई या उसके बाद एलिवेटेड ट्रैक पर ट्रायल हो सकता या फिर सीधे ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा। कल बुधवार को CRS दिदेश चंद्र देशवाल ने अंबाला मंडल के DCM और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एलिवेटेड ट्रैक की अंतिम जांच की।

रतिया चेयरपर्सन की एक बार फिर बची कुर्सी



फतेहाबाद (एजेंसी)। रतिया नगरपालिका चेयरपर्सन प्रीति खन्ना की कुर्सी एक बार फिर बच गई। उनके खिलाफ लागू गए अविश्वास प्रस्ताव पर गुरुवार को मीटिंग सिर नहीं चढ़ सकी। एडीसी अनुराग ढालिया के छुट्टी पर होने के कारण मीटिंग रद्द कर दी गई। हालांकि, अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले और चेयरपर्सन का समर्थन करने वाले पार्षद हिमाचल भ्रमण पर निकले हुए थे। कोई पार्षद भी मीटिंग में भाग लेने नहीं पहुंचा। बता दें कि, प्रीति खन्ना साल 2022 में निर्दलीय चेयरपर्सन चुनी गई थीं। फरवरी 2025 में उन्होंने मुख्यमंत्री नाथब सैनी की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया था। इससे पहले 22 मई 2025 को भी प्रीति खन्ना की एक बार कुर्सी बच गई थी। रतिया नगर पालिका के कुल 17 पार्षदों में से 14 पार्षदों ने 12 जून को डीसी डॉ.विवेक भारती को ज्ञापन सौंपकर अविश्वास प्रस्ताव पर मीटिंग बुलाने की मांग की थी। इसके बाद डीसी ने एडीसी अनुराग ढालिया को मीटिंग बुलाने के निर्देश दिए थे। एडीसी ने 9 जुलाई को तारीख तय की थी। अविश्वास प्रस्ताव की मांग करने वाले ये पार्षद अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने वाले पार्षदों में उपप्रधान जोगिंद्र नंवा, सुमन (वार्ड-1), अजमेर सिंह (वार्ड-3), हरजन कौर (वार्ड-5), हैप्री सिंह (वार्ड-6), वार्ड-8 के पार्षद, धीरज कुमार (वार्ड-9), अजय गुप्ता (वार्ड-10), सतपाल सिंह लाडवाला (वार्ड-12), नीरू बाला (वार्ड-13), गुरप्रीत गोपी (वार्ड-14), सुरविंद सिंह (वार्ड-15) और गौरव शर्मा (वार्ड-16) शामिल हैं।

उद्योगों को प्रदूषण नियंत्रण अनुपालन पर मार्गदर्शन

पानीपत (एजेंसी)। सेक्टर-25 स्थित जिमखाना क्लब में बापौली जोन इंस्ट्रुज एग्रेसिएशन की ओर से हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के साथ जागरूकता व संवाद बैठक हुई। इसमें एसडीओ कुलदीप, हरेंद्र गोयत और दिव्यांश कृष्णन मौजूद रहे। अधिकारियों ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नवीनतम दिशा-निर्देशों और अनिवार्य अनुपालनों पर उद्योग प्रतिनिधियों को जानकारी दी। उन्होंने ओसीसीएमएस/एपीसीएम, पीटीजेड कैमरा, ऑनलाइन रियल-टाइम मॉनिटरिंग और अन्य मानकों से जुड़ी आवश्यकताओं को स्पष्ट करते हुए उद्योगों से तय समय-सीमा में अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। एसोसिएशन ने बताया कि इस संवाद से पर्यावरणीय नियमों का समयबद्ध पालन करने में उद्योगों को व्यावहारिक मार्गदर्शन मिला। समापन पर अध्यक्ष नवीन बंसल ने सहयोग के लिए बोर्ड अधिकारियों का आभार जताया।

इज्जर(एजेंसी)। जिले के बहादुरगढ़ में लगातार हुई बारिश ने एक बार फिर जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। शहर की कई कॉलोनिनों की गलियां, मुख्य सड़कें, बाजार और सब्जी मंडी घंटों तक पानी में डूबी रही। जलभराव के कारण लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं बारिश के बीच कई ऐसे नजारे भी सामने आए, जिन्होंने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। शहर के कई स्कूलों के बाहर छुट्टी के समय बच्चे बारिश के पानी में नहाते, उछलकूद करते और मस्ती



करते नजर आए। किसी ने पानी में छलांग लगाई, तो कोई दोस्तों के साथ बारिश का आनंद लेता दिखा। इन दृश्यों को राहगीरों ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया।

पानी में अपने पैर घसीटते हुए स्टंट करता नजर आता है। कुछ सेकंड की यह मस्ती किसी बड़े हादसे में भी बदल सकती थी, लेकिन युवक बेखोफ होकर अपनी जान जोखिम में डालता दिखाई दिया। वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों के बाहर अलग ही नजारा देखने को मिला। स्कूल के बाहर जमा बरसाती पानी बच्चों के लिए मानो स्विमिंग पूल बन गया। कई बच्चे पानी में नहाते, उछलकूद करते और मस्ती करते नजर आए। किसी ने बारिश का आनंद लिया, तो किसी ने दोस्तों के साथ पानी में खेलते हुए पल को यादगार बना लिया।

स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा : अनुकूल जैन

स्वदेश प्रेम / सलमान अली मंदसौर, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा मंदसौर द्वारा रक्वास देवड़ा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था।



शिविर के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन, जनपद पंचायत सीईओ धर्मेन्द्र यादव एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव एवं एसडीएम शुभम पाटीदार उपस्थित रहे। अनुकूल जैन एवं धर्मेन्द्र यादव ने स्वयं स्वैच्छिक रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। दोनों अधिकारियों ने रक्तदान को महानंदन बताते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने सभी स्वस्थ नागरिकों से नियमित रूप से

रक्तदान करने का आह्वान किया। अधिकारियों के इस प्रेरणादायक कदम से युवाओं में भी उत्साह देखने को मिला। शिविर में 22 युवाओं ने भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर स्वैच्छिक रक्तदान करने का संकल्प लिया, जबकि 18 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर में ब्लड बैंक ऑफिसर डॉ. सौरभ शर्मा, ब्लड बैंक कार्डसलर रामगोपाल पाटीदार, डॉ. राहुल

जाट, लैब टेक्नीशियन संजना सोनी, निरंजन माथुर, सरपंच अनिल सिंह देवड़ा, सचिव ओमप्रकाश अहिरवार, सहायक सचिव अनीता कुमावत, पटवारी अरविंद जैन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से प्रबंधक पुरुषोत्तम भट्ट, वात्सल्य धाम अधीक्षक प्रियंका राजौरा, तनिष्का सिसोदिया, कंप्यूटर ऑपरेटर गोवर्धनलाल राठौर,

गुरुग्राम-नूंह में बिजली निजीकरण का विरोध

निजी कंपनी की एंट्री, HERC की जनसुनवाई में कर्मचारी-किसान एकजुट; अभी 777 करोड़ रेवेन्यू

गुरुग्राम (एजेंसी)। नूंह में निजी कंपनी को समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस देने के प्रस्ताव के खिलाफ विरोध और तेज हो गया है। बुधवार को हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (HERC) की जनसुनवाई में बिजली कर्मचारी संगठनों, पावर इंजीनियरों, किसान संगठनों और इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) ने एकजुट होकर प्रस्ताव का विरोध किया। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आयोग ने जनसुनवाई पूरी कर ली है। अब इस मामले में जल्द फैसला आने की संभावना है। प्रस्ताव के विरोध में बुधवार को गुरुग्राम और नूंह की सभी बिजली डिवीजनों में कर्मचारियों ने दो घंटे प्रदर्शन भी किया। कर्मचारी संगठनों ने आरोप लगाया कि समानांतर वितरण लाइसेंस के नाम पर हरियाणा में बिजली क्षेत्र के निजीकरण की शुरुआत की जा



रही है। जनसुनवाई के दौरान पूर्व वित्त मंत्री एवं इनेलो नेता संपत सिंह ने आयोग के सामने प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि सरकार निजी कंपनियों को बिजली क्षेत्र में लाकर सार्वजनिक व्यवस्था को कमजोर करना चाहती है। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर बिजली का निजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा।



सार्वजनिक व्यवस्था पर होगा असर इलेक्ट्रिसिटी इंडाइन फेडरेशन ऑफ इंडिया (EEFI) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा और सुरेश राठी ने कहा कि गुरुग्राम और नूंह में निजी कंपनी को समानांतर लाइसेंस देना सार्वजनिक बिजली व्यवस्था को कमजोर करने की सुनियोजित कोशिश है। उन्होंने कहा कि इस

सामाजिक संगठनों ने भी अपना विरोध दर्ज कराया। इंजीनियरों ने उठाए ये बड़े सवाल हरियाणा पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन ने आयोग से आवेदन खारिज करने की मांग करते हुए कहा कि आवेदनकर्ता कंपनी का गठन केवल एक साल पहले हुआ है और उसकी चुकता पूंजी सिर्फ 1 करोड़ रुपए है, जबकि गुरुग्राम

और नूंह से हर महीने करीब 777 करोड़ रुपए का बिजली राजस्व प्राप्त होता है। एसोसिएशन ने कहा कि बिजली वितरण जैसी महत्वपूर्ण सेवा के लिए मजबूत नेटवर्क, सब-स्टेशन, प्रशिक्षित स्टाफ, एससीएडीए सिस्टम और पर्याप्त वित्तीय क्षमता जरूरी है, लेकिन आवेदनकर्ता कंपनी ने अपनी तकनीकी और व्यावसायिक क्षमता का पर्याप्त प्रमाण नहीं दिया है। राजस्व और उपभोक्ताओं पर असर की आशंका इंजीनियरों का कहना है कि गुरुग्राम और नूंह, डीएचबीवीएनएल के कुल राजस्व का करीब 27.5% हिस्सा देते हैं। यदि लाभकारी उपभोक्ता निजी कंपनी के पास चले गए, तो क्रॉस-सब्सिडी व्यवस्था प्रभावित होगी और इसका असर आम उपभोक्ताओं पर बिजली दरों के रूप में पड़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

आगरा के पंकज यादव को पुडुचेरी टी-20 लीग में मौका

आगरा, एजेंसी। जिले के होनहार खिलाड़ी पंकज यादव एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं। उनका चयन पुडुचेरी टी-20 लीग में हुआ है। पंकज के चयन की खबर मिलते ही सिंग्रडेल क्रिकेट अकादमी में खुशी का माहौल बन गया। कोच परवेज़ यादव ने विश्वास जताया कि पंकज पुडुचेरी टी-20 लीग में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे और जिले का नाम रोशन करेंगे। बताया कि पंकज इससे पहले भी पुडुचेरी क्रिकेट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने पुडुचेरी की ओर से राजजी ट्रॉफी और घरलू टी-20 प्रतियोगिताओं में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

रेलवे को-ऑपरेटिव बैंक के खिलाफ पोल खेल अभियान शुरू

वाराणसी, एजेंसी। इंडियन रेलवे एम्प्लॉइज फेडरेशन के राष्ट्रीय महामंत्री एवं नॉर्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के जोनल महामंत्री कामरेड मनोज पांडेय के नेतृत्व में संगठन द्वारा रेलवे को-ऑपरेटिव बैंक के खिलाफ पोल खेल हल्ला बोल अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को मनोज पांडेय ने नॉर्दन रेलवे मल्टी स्टेट प्राइमरी को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड लखनऊ की सभी शाखाओं (आलमबाग, मुख्यालय, प्रयागराज, मुरादाबाद, वाराणसी एवं कानपुर) में बैंक प्रबंधन द्वारा नियमों का पालन न करने की शिकायत कर जांच की मांग की है। बताया कि नियमों को दरकिनार कर मनमाने ढंग से लोनिंग, लोनिंग का इश्योरेंस, लोन सीमा का उल्लंघन किया जा रहा है। मनोज ने बताया कि प्रबंध समिति के संचालक (डायरेक्टर) या पदाधिकारी के रूप में एवट के अनुरूप दो कार्यअवधि 10 वर्ष से ज्यादा नहीं किया जा सकता है लेकिन इसका पालन नहीं किया जा रहा है। मनोज पांडेय ने इंडियन रेलवे एम्प्लॉइज फेडरेशन ने केंद्रीय निबंधक सहकारिता नई दिल्ली, उप महाप्रबंधक (आर) रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया सहित अन्य लोगों को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है।

नाविकों ने राज्यमंत्री के सामने उठाया

लाइसेंस नवीनीकरण का मुद्दा

वाराणसी। डॉ. राजेंद्र प्रसाद घाट पर मंगलवार को पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने नाविक समाज के साथ बैठक की। इस दौरान नाविकों ने लाइसेंस नवीनीकरण का मुद्दा उठाया। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार निषाद ने कहा कि वर्ष 2024 से नगर निगम द्वारा नौका और मोटरबोट के लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया गया। इससे नाविकों की आजीविका प्रभावित हो रही है। बाहरी वाटर टैक्स को लाइसेंस दिए जाने से स्थानीय नाविकों के सामने रोजगार का संकट गहराता जा रहा है। नाविकों ने मांग की कि नौका संचालन के लाइसेंस का अधिकार नगर निगम के पास ही रहे। उन्होंने परिवहन विभाग से लाइसेंस लेने का विरोध किया।। राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि 30 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा 4 जुलाई को नगर विकास विभाग को पत्र भेजकर नगर निगम के माध्यम से ही नौका और मोटरबोट के लाइसेंस का नवीनीकरण कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस संबंध में संकारात्मक निर्णय लेगी। निषाद राज सेवा समिति की ओर से राज्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया।

भाजपा के 13 मंडलों में आत्मनिर्भर मंडल बैठक, संगठन की मजबूती पर जोर

वाराणसी, एजेंसी। भाजपा महानगर ने मंगलवार को वाराणसी के सभी 13 मंडलों के आत्मनिर्भर मंडल की बैठक का आयोजन पार्टी के महानगर कार्यालय गुलाब बाग में किया गया। इसमें संगठन की मजबूती, शक्ति केंद्रों के सशक्तीकरण, डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम और मिशन 2027 की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पार्चन व वंदे मातरम् के साथ हुआ। महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहारि ने कहा कि प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र होने के कारण वाराणसी के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी अन्य स्थानों की अपेक्षा अधिक है। मासिक बैठकें छूटें हुए कार्यों की समीक्षा और कमियों को दूर करने का अवसर प्रदान करती हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार शक्ति केंद्रों को मजबूत करना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, नीतियां और सरकार की उपलब्धियों से अपडेट रहने के लिए डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा। पत्रा प्रमुखों से नियमित संपर्क बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मिशन 2027 की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। मंडल प्रभारियों को अपनो-अपने शक्ति केंद्रों पर नियमित बैठकें आयोजित करने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर मंडल प्रभारी चंद्रशेखर उपाध्याय, सत्यप्रकाश जायसवाल, मंडल अध्यक्ष मनोज सोनकर, पार्षद सिद्धन्ता शर्मा, सुशील गुप्ता, राजेंद्र यादव, कांति दीक्षित, प्रमील पांडेय, योगेश वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

नाला सफाई पर नहीं दिया ध्यान, अब कमियां ढूंढ रहे हुक्मरान

कानपुर, एजेंसी। बीते वर्षों की तरह इस साल भी बारिश में शहरियों को जलभराव से दो-चार होना पड़ रहा है। इसका कारण है ढंग से विभिन्न नालों की सफाई न होना। नाले चोक होने से ही विभिन्न इलाकों में मानसून की दो बार की बारिश में जलभराव हो गया था। अगर नगर निगम नाला-नाली की सफाई के काम के दौरान ही कड़ाई करता तो ऐसी स्थिति नहीं आती। शहर के तलैया बनने के बाद अब महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय निरीक्षण कर जलभराव की कमियां तलाशने में जुटे हैं।

महापौर ने मंगलवार को गड़रिगनपुरवा, फजलगंज, जेके मंदिर और सर्वोदयनगर क्षेत्र में नाला सफाई के काम का निरीक्षण किया।

खतरनाक बताकर सील कीं इमारतें शपथ पत्र लेकर खोली जा रहीं

लखनऊ, एजेंसी। अलीगंज में 22 जून को हुए अग्निकांड के बाद एलडीए ने तेजी दिखाते हुए शहर में करीब 150 इमारतों को खतरनाक बताकर सील किया था। फायर सेफ्टी न होना और अवैध निर्माण को कार्रवाई की वजह बताया गया था। हालांकि, विरोध होने पर प्राधिकरण ने फायर सेफ्टी के उपाय किए जाने का शपथ पत्र लेकर इमारतों को खोलना शुरू कर दिया है। एक सप्ताह में करीब 50 बिल्डिंगों की सील खोली जा चुकी है।

अग्निकांड के दो दिन बाद एलडीए और अग्निशमन विभाग ने बड़े पैमाने पर सीलिंग की। इस पर होटल संचालकों और कोचिंग वालों के साथ बैठक की गई। इसमें फायर सुरक्षा के उपाय पूरे करने पर जोर दिया गया और ऐसा न करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

होटल संचालकों ने तो विरोध नहीं जताया, लेकिन कोचिंग वालों ने कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि कार्रवाई मनमाने तरीके से की जा रही है। जिस इमारत में आग लगी वह एग्निमेन सेंटर था और पेट शॉप सहित कई दुकानें चल रही थीं, जबकि कोचिंग में सिर्फ पढ़ाई होती है। यह आरोप भी लगाया था कि सुरक्षा मानकों के लिए विभागों से एनओसी मिलने में बहुत परेशानी होती है।

इस विरोध को देखते हुए एलडीए अधिकारियों ने कोचिंग संचालकों से कहा था कि उनके लिए



हेल्पडेस्क बनाई जाएगी, जहां वे अपनी समस्याएं बता सकते हैं। जो इमारतें गलत सील हुई होंगी, उन्हें जांच के बाद खोल दिया जाएगा। इसके बाद एलडीए में हेल्प डेस्क बनाई गई और शपथ पत्र देने से लंबित कानूनी 50 इमारतों की सील खोली जा चुकी है।

हाजिरी रजिस्टर में 30 कर्मचारी और मौके पर 15, सुपरवाइजर निलंबित

आगरा, एजेंसी। आगरा। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की हाजिरी के नाम पर घोटाला किया जा रहा है। लॉयर्स कॉलोनी में पार्श्वद ने सफाईकर्मियों की कम तैनाती की शिकायत की, जिस पर अपर नगर आयुक्त जांच के लिए पहुंचे। रजिस्टर में 30 सफाईकर्मियों की हाजिरी लगी थी लेकिन पूरे क्षेत्र में घूमने पर केवल 15 ही मिले। इस पर सुपरवाइजर बाबूलाल को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में अपर नगर आयुक्त जांच कर रहे हैं।

वार्ड 34 लॉयर्स कॉलोनी के पार्श्वद अमित दिवाकर ने शिकायत की थी कि उनके क्षेत्र में सफाई नायक फर्जी सफाई कर्मचारियों की हाजिरी लगाकर बड़ा खेल कर रहा है। वार्ड में करीब 30 सफाई कर्मचारियों की तैनाती है लेकिन इतने कर्मचारी कभी नजर नहीं आए। अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार ने औचक निरीक्षण किया तो सुपरवाइजर बाबूलाल ने झूठ बोला कि कर्मचारी वार्ड में काम कर रहे हैं। वह हाजिरी ले चुका है। इस पर अपर नगर आयुक्त ने हाजिरी रजिस्टर तलब करके वार्ड का दौरा किया तो केवल 15 कर्मचारी ही मिले। इस पर अपर नगर आयुक्त ने सफाई नायक बाबूलाल को निलंबित कर दिया है।



नगर निगम में 1135 सफाई कर्मचारियों को अतिरिक्त तैनात किया गया है लेकिन यह किसी भी वार्ड में नजर नहीं आ रहे हैं। पार्श्वद रवि बिहारी माथुर का आरोप है कि नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा के पास जून में 4074 आउटसोर्सिंग के सफाईकर्मी हैं, जबकि पहले इनकी संख्या 2939 थी। 1135 कर्मचारियों को चुपके से नियुक्त कर लिया गया। ये किस वार्ड में लगाए गए हैं, इसकी सूची वह एक साल से मांग रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य अधिकारी सूची नहीं दे रहे हैं। नियुक्ति से लेकर वेतन तक में करोड़ों रुपये का घोटाला किया जा रहा है। उनका कहना है कि हर वार्ड में लॉयर्स कॉलोनी की तरह कागजों पर कर्मचारी ज्यादा हैं, जबकि असलियत में कम हैं।

कई शहरों और होटलों में घुमाया, गर्भपात भी कराया

आशिक दरोगा की दूसरी पत्नी ने दिखाए फोटो और वीडियो

बरेली, एजेंसी। बरेली में दरोगा की दूसरी पत्नी होने का दावा करने वाली महिला ने सबूतों के साथ दरोगा से अपने रिश्ते के राज खोल दिए। उसने बताया कि वह दरोगा के साथ पत्नी की तरह रहती और दूसरे शहरों के होटलों में घूमती थी। कहा कि दरोगा के परिजनों ने उससे मारपीट और अभद्रता न की होती तो वह ये राज न खोलती, क्योंकि इसके साथ उसकी भी बदनामी जुड़ी है।

एसएसपी के पास पहुंची महिला के साथ कई वकील थे, बताया जा रहा है कि महिला मुंशी के तौर पर एक वकील के साथ काम करती है। महिला का आरोप है कि बारदरी थाने में युवाकात व मेलजोल बढ़ने के बाद दारोगा उसके घर आने-जाने लगा। वर्ष 2025 में करवाचीथ पर वह अपनी पत्नी के पास नहीं गया, बल्कि उसी से बतौर पत्नी पूजन कराया।

महिला ने उस वक्त के फोटो भी मीडिया व अधिकारियों को दिखाए। बताया कि फरवरी 2026 में बेटे की शादी का बहाना बनाकर दरोगा उससे करीब आठ लाख रुपये के सोने के जेवर ले गया। शादी में उसने केवल तीन दिन की छुट्टी ली और फिर सीधे उसके पास बरेली आ गया।

पत्नी-बेटे संग घर जाकर की पिटाई : महिला ने बताया कि जब उसने जेवर मांगे तो उसे धमकाया



गया। उसके गर्भवती होने की जानकारी मिलने पर 12 मई को दरोगा उसे प्रेमनगर के एक नामी अस्पताल में ले गया। वहां से लेकर गर्भपात की दवा खिला दी, तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महिला के मुताबिक एक दिन दरोगा अपने बेटे और पत्नी के साथ उसके घर पहुंचा, वहां इन लोगों ने गाली-गलौज और मारपीट की। डायल 112 पर सूचना देने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पीड़िता ने आरोप लगाया कि दरोगा पुलिस अधिकारियों से अपने करीबी रिश्ते का

कोचिंगों की आड़ में कई को दी राहत : अलीगंज में मानचित्र के विपरीत बिना फायर सेफ्टी वाले कई भवनों को एक सप्ताह पहले एलडीए ने सील किया था। इनमें केंद्रीय भवन के सामने मकान तोड़कर बनाए गए कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में चल रहा नॉनवेज रेस्टोरेंट, सेक्टर-के में पप्पू स्टोर वाली इमारत में चल रही कोचिंग प्रमुख है। यहां पार्किंग के नाम पर एक गाड़ी खड़ी करने की जगह नहीं है, पर एलडीए ने मेहरबानी दिखाते हुए सील हटा दी है। ऐसी कई और इमारतों की सील खोल दी गई है, जहां शपथ पत्र के बाद भी भवन निर्माण के मानक पूरे नहीं हुए हैं।

वादों की जारी रहेगी सुनवाई : एलडीए प्रशासन का कहना है कि जिन भवनों के खिलाफ उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धाराओं के तहत वाद लंबित हैं, उनकी सुनवाई और कार्रवाई जारी रहेगी। विहित प्राधिकारी संबंधित वादों में नियमानुसार निर्णय लेने और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होंगे। शपथ पत्र देने से लंबित कानूनी प्रक्रिया पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

► *उन इमारतों की ही सील खोली जा रही है, जिनके मालिकों ने सुरक्षा मानक तय समय में पूरा करने का शपथ पत्र दिया है। यदि वे इन्हें पूरा नहीं करेंगे तो फिर कार्रवाई की जाएगी।*

– प्रथमेश कुमार, वीसी एलडीए

डीएम बनेंगे प्रशासक या बढ़ेगा जिला पंचायत बोर्ड का कार्यकाल, शासन के फैसले पर सबकी नजर

बरेली, एजेंसी। बरेली में जिला पंचायत बोर्ड का पांच वर्षीय कार्यकाल 12 जुलाई को पूरा हो रहा है। इसके बाद जिला पंचायत का प्रशासन किसके हाथ में होगा, यह बड़ा सवाल है। शासन प्रशासक नियुक्त करेगा या मौजूदा बोर्ड का कार्यकाल बढ़ाएगा, इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चाएं तेज हैं। 11 और 12 जुलाई को सरकारी अवकाश के कारण 10 जुलाई को ही शासन स्तर से निर्णय आने की संभावना है।

जिला पंचायत अध्यक्ष समेत सभी निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 12 जुलाई को समाप्त हो रहा है। प्रदेश में अभी जिला पंचायत चुनाव की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। ऐसे में नए बोर्ड के गठन तक व्यवस्था बनाए रखने के लिए शासन को अंतरिम व्यवस्था करनी होगी। चर्चा है कि यदि कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाता है, तो जिला पंचायत का प्रशासन जिलाधिकारी को प्रशासक के रूप में सौंपा जा सकता है। हालांकि, बोर्ड का कार्यकाल बढ़ाने की संभावना पर भी चर्चा है, लेकिन कोई आधिकारिक संकेत नहीं मिला है।

अलीगंज हादसे के बाद फायर एग्जिट स्टेयर्स की मांग बढ़ी, फैब्रिकेशन बाजार में उछाल

लखनऊ, एजेंसी। अलीगंज हादसे के बाद राजधानी के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर एग्जिट स्टेयर्स लगाने का चलन तेजी से बढ़ा है। इससे शहर के फैब्रिकेशन बाजार में अचानक बुद्धि हुई है। करीब 50 हजार से लेकर 2.5 लाख रुपये तक की कीमत वाली लोहे की ये सीढ़ियां भवन से बाहर निकलने का नया रास्ता दे रही हैं।

कोचिंग हादसे से सबक लेते हुए व्यावसायिक भवनों का संचालन करने वाले व्यापारियों ने भवन से बाहर जाने का अस्थायी उपाय निकाला है। लोहे और स्टील से बनने वाली ये सीढ़ियां भवन को बाहर से जोड़ती हैं, जिससे किसी भी आपदा में कर्मचारियों के बाहर निकलने की गुंजाइश बची रहे। इससे लोहे व स्टील के फैब्रिकेशन का काम करने वाले कारोबारियों से पूछताछ के लिए हर दिन 8-10 लोग पहुंच रहे हैं, जिनमें से कुछ ऑर्डर भी मिल रहे हैं।

मेटल फैब्रिकेशन के काम से जुड़े तालकटोरा के कारोबारी



अदनाम सिद्दीकी बताते हैं कि पूछताछ के लिए लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन अभी उतने ऑर्डर नहीं मिल रहे। लोहे का काम 90-100 रुपये प्रति किलो के हिसाब से होता है।

कॉमर्शियल किचन व फैब्रिकेशन कारोबार से जुड़ी सिद्धि अग्रवाल बताती हैं कि सरकारी से लेकर निजी इमारतों तक में इस महीने स्टील के औसत 20 फायर स्टेयर्स लगाए गए हैं। इसके अलावा कॉमर्शियल किचन की सुरक्षा के लिए फायर सेपरेशन व गैस लीकेज डिटेक्टर की भी मांग बढ़ी है। शहर में जो होटल सील हो रहे हैं, उनमें फायर सेपरेशन नहीं मिला था, इसलिए भी इनकी मांग बढ़ी है।



शासन के फैसले पर टिकी हैं निगाहें

ग्राम पंचायतों के कार्यकाल समाप्त होने के बाद ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद जिला पंचायतों के मामले में भी शासन कानूनी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने की तैयारी में है। राजनीतिक दलों और जिला पंचायत सदस्यों की निगाहें अब

शासन के फैसले पर टिकी हैं। यदि 10 जुलाई तक आदेश जारी होता है, तो 13 जुलाई से आगे की प्रशासनिक व्यवस्था स्पष्ट हो जाएगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विकास की निरंतरता जरूरी है। अगर सरकार जिला पंचायत अध्यक्षों को ही प्रशासक के तौर पर जिम्मेदारी सौंपती है, तो यह ग्रामीण विकास की गति को बिना रोके आगे बढ़ाने के लिए एक व्यावहारिक फैसला होगा।

नगर निगम की प्रस्तावित परियोजनाओं का सर्वे करेगी एजेंसी



अलीगढ़, एजेंसी। नगर निगम ने अपनी प्रस्तावित परियोजनाओं के सर्वेक्षण के लिए एक एजेंसी का चयन करने का निर्णय लिया है। यह चयन दो साल के अनुबंध के आधार पर किया जाएगा। इसका उद्देश्य परियोजनाओं के क्रिया-व्ययन से पहले उनकी आवश्यकताओं का विस्तृत आकलन करना है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि शहर की विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए नगर निगम ने प्रस्तावित स्थलों के सर्वेक्षण के लिए दो साल के अनुबंध पर एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरू कर

दी है। एजेंसी का मुख्य कार्य प्रस्तावित स्थलों का सर्वेक्षण करना और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करना होगा। चयनित एजेंसी को नगर निगम की विभिन्न प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए सर्वेक्षण कार्य सौंपा जाएगा। इसमें सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं का विकास और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल होंगी। इस प्रक्रिया से परियोजनाओं के लिए सटीक डेटा उपलब्ध होगा। सर्वेक्षण से नगर निगम को परियोजनाओं के लिए बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलेगी।

बिहार का चंदन साइबर ठगों को मुहैया कराता था बैंक खाता

बरेली, एजेंसी। बरेली में एक महिला ने खुद को सैन्य अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त सैनिक से ऑनलाइन दोस्ती की और जमीन के कारोबार के बहाने नौ लाख आठ हजार रुपये उठा लिए। इस मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने बिहार निवासी चंदन दास को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

यह मामला दिसंबर 2025 का है। फरीदपुर के ताज कॉलोनी निवासी सेवानिवृत्त सैनिक रामप्रताप ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि एक महिला ने व्हाट्सएप पर उनसे दोस्ती की और चैटिंग शुरू कर दी। महिला ने खुद को भारतीय सैन्य अधिकारी बताया और अपनी तैनाती विदेश में बताई थी। उसने भारत आकर जमीनों की खरीद-फरोख्त का कारोबार करने का झांसा दिया। इसके बाद महिला ने रामप्रताप से नौ लाख आठ हजार रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर लिए।

साइबर क्राइम थाना पुलिस ठगों की तलाश कर रही थी। पुलिस की जांच में बिहार के बेगूसराय लाखन पट्टी



निवासी मनीष दास और दरभंगा बहरी बालागंवि निवासी चंदन कुमार दास को चिह्नित किया गया।

साइबर थाना इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि मनीष दास गिरफ्तारी के डर से कोर्ट में हजिर हो गया था। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने सोमवार को हरियाणा गुरुग्राम के पालम बिहार में छिपे चंदन दास को गिरफ्तार कर लिया।

नौ महीने से रह रहा था गुरुग्राम में

पुलिस के अनुसार, बिहार के दरभंगा का मूल निवासी चंदन कुमार दास आठवीं तक पढ़ा है। वह परिवार के साथ विभिन्न राज्यों में मजदूरी करता है। चंदन ने बताया कि वह नौ महीने से गुरुग्राम में रह रहा था। एक कंपनी में डिलीवरी का काम करते समय उसकी मुलाकात राज नाम के युवक से हुई। राज के कहने पर उसने एक व्यक्ति का खाता खुलवाकर दिया, जिसमें राज का नंबर लिंक कराया गया।

इसके बदले राज ने उसे पांच हजार रुपये दिए। इसके बाद चंदन ने अलग-अलग राज्यों में काम करने वाले चौदह लोगों के खाते खुलवाकर राज को उपलब्ध कराए। चंदन ने अपना खाता भी खुलवाकर दिया था।

कुछ दिन बाद साइबर ठगी की शिकायतें मिलने पर सभी खाते फ्रीज हो गए। इसके बाद से चंदन छिपकर रहने लगा था।

जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई

चंदन ने बताया कि पवन कुमार दास के दो बैंक खाते, प्रदीप, राजू, आदित्य धनौलिया, दीपक, मनीष दास और कृष्णदास के एक-एक बैंक खाते अलग-अलग बैंकों में खुलवाए गए थे। सेवानिवृत्त सैनिक रामप्रताप को झांसे में लेकर पवनदास, मनीषदास, कृष्णदास और चंदन दास आदि के खातों में रकम डलवाई गई थी। ये खाते गुरुग्राम और पटियाला की बैंकों में खोले गए थे।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि सेवानिवृत्त सैनिक से ऑनलाइन ठगी के मामले में साइबर थाना पुलिस ने कार्रवाई की है। बिहार निवासी आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। पुलिस ने बैंकों से समन्वय कर 3.54 लाख रुपये वापस करा दिए हैं, जबकि बाकी रकम की रिकवरी के प्रयास जारी हैं।

संपादकीय

थकी हुई वर्दी, टूटता हुआ मन

किसी भी देश की कानून-व्यवस्था का सबसे दृश्यमान चेहरा पुलिस होती है। जब कोई अपराध होता है, दुर्घटना घटती है, दंगा भड़कता है, प्राकृतिक आपदा आती है या किसी नागरिक को तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है, तो सबसे पहले पुलिस ही सामने दिखाई देती है। समाज उससे हर समय तत्पर, अनुशासित, निष्पक्ष और संवेदनशील रहने की अपेक्षा करता है। लेकिन विडंबना यह है कि जो व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा का भरोसा देती है, उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक आवश्यकताओं पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। बाहर से रोबदार दिखने वाली वर्दी के भीतर भी एक संवेदनशील मन धड़कता है, जो लगातार बढ़ते तनाव, कार्यभार, पारिवारिक दूरियों और संस्थागत दबावों के बीच धीरे-धीरे टूटता चला जाता है।

हाल ही में पुलिस इंस्पेक्टर श्रवण कुमार बिश्नोई की आत्महत्या की खबर ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। किसी भी आत्महत्या के पीछे के कारणों का अंतिम निर्धारण

केवल आधिकारिक जांच से ही संभव है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। फिर भी यह दुखद घटना पुलिस बल में मानसिक तनाव, कार्य-संस्कृति और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना भी है, जहाँ कर्तव्य निभाते-निभाते कई बार इंसान स्वयं अपने भीतर हारने लगता है।

हमारे समाज में पुलिस की छवि अक्सर अधिकार, शक्ति और कठोरता से जुड़ी रही है। आम नागरिक मान लेते हैं कि पुलिसकर्मों भावनाओं से परे होते हैं, उन्हें दर्द नहीं होता, वे कभी नहीं टूटते। यही सबसे बड़ी भूल है। पुलिसकर्मों की उसी समाज के सदस्य हैं। वे भी किसी के बेटे-बेटी, पति-पत्नी, माता-पिता और मित्र होते हैं। उन्हें भी अपनों की चिंता होती है, आर्थिक जिम्मेदारियाँ होती हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं और भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि वे अपने दुख को अक्सर वर्दी के भीतर छिपाकर रखना सीख जाते हैं।

पुलिस सेवा का वास्तविक स्वरूप फिल्मों और धारावाहिकों से बिल्कुल अलग है। अधिकांश पुलिसकर्मियों का दिन कब शुरू होता है और कब समाप्त, इसका कोई निश्चित समय नहीं होता। आठ घंटे की ड्यूटी का सिद्धांत व्यवहार में शायद ही कहीं पूरी तरह लागू दिखाई देता है। त्योहार हों, चुनाव हों, वीआईपी दौरें हों, धरना-प्रदर्शन हों, प्राकृतिक आपदाएँ हों या अपराध की गंभीर घटनाएँ—हर स्थिति में सबसे पहले पुलिस को ही तैनात किया जाता है। कई बार लगातार चौबीस-चौबीस घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ती है। पर्याप्त नींद, नियमित भोजन और पारिवारिक समय उनके जीवन में विलासिता बन जाते हैं।

विश्वभर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लगातार नींद की कमी, अत्यधिक कार्यभार और भावनात्मक तनाव किसी भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। पुलिसकर्मों प्रतिदिन हत्या, आत्महत्या, सड़क दुर्घटनाओं, घरेलू हिंसा, यौन अपराधों और अन्य दर्दनाक घटनाओं का सामना करते हैं। सामान्य नागरिक जिन दृश्यों को केवल समाचारों में देखते हैं, पुलिस उन्हें प्रत्यक्ष रूप से झेलती है। ऐसे अनुभव धीरे-धीरे मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं। यदि समय पर भावनात्मक सहयोग न मिले, तो यही दबाव अवसाद, चिंता, चिड़चिड़ेपन और कई बार आत्मघाती विचारों तक पहुंच सकता है।

पुलिस व्यवस्था की आंतरिक संरचना भी कई बार तनाव को बढ़ा देती है। वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव, समयबद्ध परिणाम देने की अपेक्षा, राजनीतिक हस्तक्षेप, संसाधनों की कमी और निरंतर जवाबदेही अधीनस्थ कर्मचारियों के मानसिक बोझ को कई गुना बढ़ा देती है। अनुशासन किसी भी सुरक्षा बल की आवश्यकता है, लेकिन अनुशासन और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। यदि अधीनस्थ कर्मचारी अपनी समस्याएँ खुलकर साझा करने से डरने लगें, तो तनाव भीतर ही भीतर विस्फोटक रूप ले सकता है। पारिवारिक जीवन भी पुलिस सेवा की सबसे बड़ी कीमत चुकता है। पुलिसकर्मों अपने बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाते, माता-पिता की बीमारी में उपस्थित नहीं हो पाते और कई बार पारिवारिक समारोहों तक में शामिल नहीं हो पाते। लगातार अनुपस्थिति से परिवारों में भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है।



काशिलात मांडेत

जीवनरक्षक दवाओं की कमी गरीब मरीजों के लिए गंभीर चुनौती लेकिन समय रहते व्यवस्था सुधारकर सरकार भरोसा फिर मजबूत कर सकती है...

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल केवल एक चिकित्सा संस्थान नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लाखों मरीजों की उम्मीद का सबसे बड़ा केंद्र है। हर दिन हजारों मरीज दूर-दराज के गांवों और कस्बों से यहां इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि उन्हें बेहतर इलाज के साथ सरकार की निशुल्क दवा योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन जब इलाज के बाद डॉक्टर की लिखी दवाएं अस्पताल के काउंटर पर उपलब्ध नहीं होतीं तो मरीज और उसके परिजनों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। हाल के दिनों में जीवनरक्षक दवाओं सहित बड़ी संख्या में दवाओं की अनुपलब्धता की खबरें सामने आई हैं। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

गरीब और मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहता है। निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदना हर परिवार के लिए



निर्मल रानी

भारत में इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने यानी इ20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को लेकर बहस छिड़ गयी है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन खराब होने की खबरें मीडिया में आने लगी हैं। इ20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इसे लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। गत दिनों तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी इ20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध में प्रदर्शन किया गया।और इससे वाहनों को होने वाले नुकसान को लेकर सरकार को अवगत कराया गया। भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही परेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुकसान की खबरों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित इ 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध XP100 जैसे पेट्रोल को आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमिगत फ़्यूल टैंक में इ 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित इंधन खराब हो सकता है।

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वाताएँ इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलका जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री



©2026 Bero Press, Media, dan Informasi Sekretariat Presiden

मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवैया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार

बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकों युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है। भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव

पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर ई85 की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उस देश में पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाकों में पहले ही पीने का पानी लोगों को मयसर नहीं है? हालांकि अब खबर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब ई25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फिलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई25 बदलाव को जल्दबाजी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है।

देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुछ जिम्मेदार लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। मिसाल के तौर पर टोयोटा क्लिंस्कर मोटर के कंटी हेड और एंजिनव्युटिव वाईस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने अपने एक इंटरव्यू में पहले तो यह स्वीकार किया था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से बेशक फ़्यूल एफिशिएंसी में कुछ कमी आती है। परन्तु बाद में उन्होंने ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे परफॉर्मस के मामले में बेहतरीन इंधन भी बता डाला। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बायोफ़्यूलस के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुराग सरावगी ने भी स्वीकार किया था कि एथनाल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ियों की माइलेज में 30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। इतना ही नहीं बल्कि भारत के अर्टोर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने गत 30 जून को सर्वोच्च न्यायलय में एक सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि ई-20 पेट्रोल का

तो यह पहले ही पता चल जाएगा कि कौन सी दवा कितनी मात्रा में बची है और कब नई खेप की आवश्यकता होगी। इससे आपूर्ति में होने वाली देरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। मरीजों को भी मोबाइल या हेल्पलाइन के माध्यम से यह जानकारी मिल सके कि संबंधित दवा किस अस्पताल में उपलब्ध है। इससे उन्हें अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

साथ ही अस्पतालों में मरीजों के साथ संवाद की व्यवस्था भी बेहतर होनी चाहिए। यदि किसी दवा की अस्थायी कमी है तो मरीज को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि दवा कब तक उपलब्ध होगी या उसका सुरक्षित विकल्प क्या है। कई बार जानकारी के अभाव में मरीज अधिक परेशान हो जाता है। संवेदनशील व्यवहार और स्पष्ट सूचना भी आधी समस्या का समाधान कर देती है। इस विषय में जगप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी सरकार तक पहुंचानी चाहिए। जहां भी दवा की कमी हो, वहां तत्काल समाधान के लिए प्रयास होने चाहिए। स्वास्थ्य सेवा राजनीति का नहीं बल्कि मानवता का विषय है। इसलिए सभी पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए।

सरकार के सामने यह अवसर भी है कि वह इस घटना को एक चेतावनी के रूप में लेकर पूरे प्रदेश में दवा आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करे। जिन अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं की कमी है वहां तत्काल अतिरिक्त स्टॉक भेजा जाए। खरीद प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा तेज बनाया जाए। जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है, वहां जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। इससे जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

इस्तेमाल फिलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है। इस बात के सार्वजनिक होने के बाद तो लोगों में और भी आक्रोश फैल गया कि आखिर प्रयोग के तौर पर उन्हें गिनी पिग अर्थात प्रयोग किये जाने वाला जीव क्यों बनाया जा रहा है। उसके बाद सरकार की तरफ से यह स्पष्टीकरण जारी किया गया कि अर्टोर्नी जनरल के हवाले से कही जा रही बातें गलत हैं। कर्नाटक के एक मंत्री प्रियांक खड्गे ने भी एक तरह से अर्टोर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की बातों का समर्थन करते हुए इस बात पर नाराजगी जताई कि 3.6 करोड़ भारतीयों का मालिकों पर इस्तरह के प्रयोग क्यों किए जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि अभी भारत में 10 में से 9 गाड़ियां ई20 के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह नीति आम सहमति के बिना और इसके होने वाले परिणामों को समझे बगैर लागू कर दी गई है। खड्गे ने यह भी कहा, हमारी गाड़ियों में इसे जबरदस्ती डालने के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर इंधन बदलने की इस प्रक्रिया को प्रयोग नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जब सरकार का अपना डेटा ही अभी तक तैयार नहीं है, तो नागरिकों को नुकसान साबित करने की चुनौती नहीं दी जा सकती। आम लोग गिनी पिग नहीं हैं न ही हमारी सड़कें टेस्ट ट्रैक हैं और देश के उपभोक्ताओं की जेबें बदलने के टयूल का बजट नहीं हैं। खड्गे ने ई20 को वापस लेने मांग करते हुये कहा कि सरकार पहले इसे प्रयोग के योग्य,स्वीकार्य व प्रमाणित इंधन साबित करे, फिर इसे प्रयोग करने की नीति लागू करें। निश्चित रूप से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण देश के वाहन धारकों के लिये फिलहाल एक समस्या बन गया है और सरकार द्वारा इसके पक्ष में दिए जा रहे तर्कों व विशेषज्ञों व इस नीति के आलोचकों द्वारा उठाये जा रहे बिंदुओं के बीच देश समझ ही नहीं पा रहा है की आखिर ये माजरा क्या है?

किसी तीसरे देश के प्रति वैमनस्य या शत्रुता पर नहीं, बल्कि साझा विकास, सुरक्षा और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति आदर्शों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और शक्ति-संतुलन का प्रयास करती है। आज चीन और पाकिस्तान अपने सैन्य एवं आर्थिक गठजोड़ को सऊदी अरब तक विस्तार देने के प्रयासों में जुटे हैं। हाल के सप्ताहों में सऊदी नेतृत्व और बीजिंग के बीच बढ़ती सक्रियता इस बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का संकेत है। यद्यपि सऊदी अरब की प्राथमिक सुरक्षा चिंताएं पाकिस्तान और चीन से अलग हैं तथा उसका प्रमुख ध्यान खाड़ी क्षेत्र में ईरान के बढ़ते प्रभाव पर केंद्रित है, फिर भी बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए सतर्कता का संदेश देते हैं। पाकिस्तान हर परिस्थिति में भारत के विरुद्ध रणनीतिक लाभ उठाने का अवसर तलाशता है, जबकि चीन अपने विस्तारवादी दृष्टिकोण के माध्यम से क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करने का प्रयास करता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी, संतुलित और सक्रिय विदेश नीति भारत के हितों की प्रभावी सुरक्षा करती दिखाई देती है। उनकी कूटनीति केवल मित्र देशों के साथ विश्वास बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन और पाकिस्तान की शरारतों, षड्यंत्रों तथा सामरिक चुनौतियों का संघमित और दृढ़ता से सामना करने की क्षमता भी प्रदर्शित करती है। यही दूरगामी सोच भारत को एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। आज विश्व एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो शक्ति और शांति, विकास और सुरक्षा, तकनीक और मानवता के बीच संतुलन स्थापित कर सके। भारत इस भूमिका को सफलतापूर्वक निभाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह सिद्ध किया है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है जो अपनी रक्षा करने में सक्षम होने के साथ-साथ विश्व शांति और मानव कल्याण का भी वाहक बने। निरसंहार भारत अब विस्तारवाद का नहीं, विकासवाद का प्रतीक है। वह हथियारों का निर्माण युद्ध भड़काने के लिए नहीं, बल्कि शांति की रक्षा और संतुलन स्थापित करने के लिए कर रहा है। यही भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व की पहचान है। आने वाले वर्षों में भारत की यही संतुलित विदेश नीति, आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति और विश्वसनीय कूटनीतिक नेतृत्व न केवल विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा, बल्कि विश्व व्यवस्था को भी अधिक सुरक्षित, संतुलित और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं संतर्ककार)



आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलाने दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं—शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना— ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय—समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो—चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वही होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आईडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।



अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

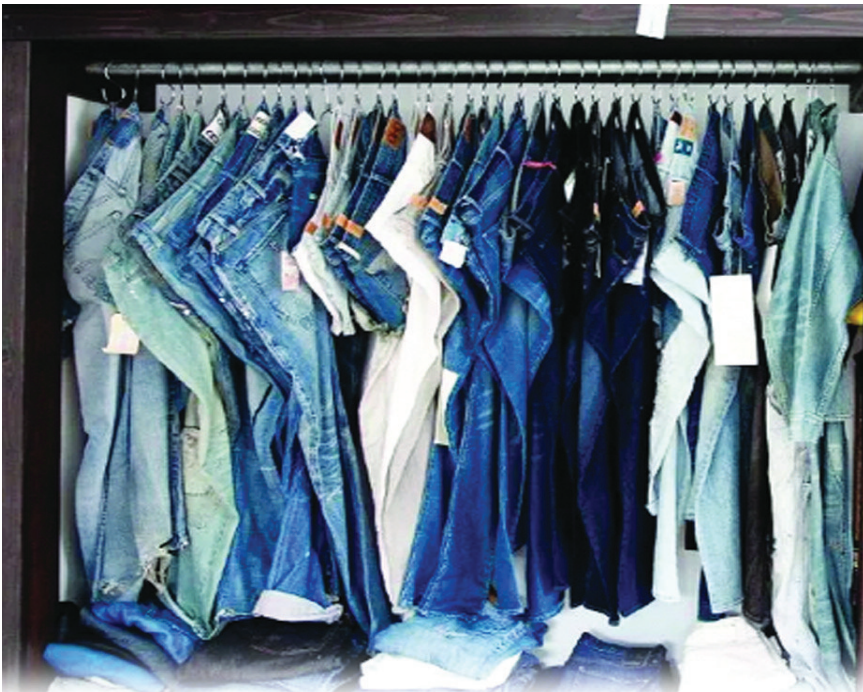
आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जाती। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टैनिंग हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चांदर है उतना ही घेर पसारा'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसे को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। इसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिल्कुल नहीं। तभी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।



क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रेंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रेस है, जो

हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी है कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी।

रिप्ट जींस

रिप्ट जींस एक दशक से फैशन ट्रेंड में बनी हुई हैं। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ट जींस न हों। एक दशक पहले ट्रेंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ रिल्टस या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनती तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ट जींस का लुक दे सकती हैं। रिप्ट जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कफर्टेबल होती हैं। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रेंड लौट आया है। यही वजह है कि सेलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर हैं। ट्रैवेलिंग के दौरान या कहीं आने—जाने के लिए एक्ट्रेस इसे कैरी कर नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सेलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग—अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती हैं, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो—हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वॉकिंग बुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही विलयर है कि ये जींस कैसी होगी। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।



अपनी बचत

और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को

अलग—अलग जगह

न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा

से डरना और

रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा

सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती हैं। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।



कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती हैं। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती हैं। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती हैं। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली हैं तो

इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी इस से मैचिंग रंग चुन सकती हैं।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ ही व बाल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली हैं तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती हैं। मरकुरा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही हैं मगर इसके साथ मरकुरा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलेशज लगाने की गलती ना करें।

